डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 130 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

जयपुर मेट्रो को मिलेगा मुफ्त में ज़मीन का तोहफा

जयपुर (रॉयल पत्रिका।जयपुर मेट्रो को अब अपने ऑफिस के लिए ज़मीन के लिए खर्च नहीं करना पड़ेगा। जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) की भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 209वीं बैठक में यह बड़ा फैसला लिया गया। आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मेट्रो रेल परियोजना सहित कई जनहित से जुड़े मुद्दों पर सहमति बनी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (JMRC) को पूर्व में निशुल्क आवंटित 19,505

वर्गमीटर भूमि में से 19,205 वर्गमीटर भूमि को अब कार्मिक विभाग को सरकारी कार्यालय के उपयोग के लिए निशुल्क आवंटित किया जाएगा। यह फैसला राज्य सरकार की अनुमति के बाद लागू होगा।

इसके अलावा, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के मदरामपुरा गांव में स्थित 0.37 हैक्टेयर ज़मीन में से 1000 वर्गमीटर भूमि उच्च जलाशय के निर्माण के लिए आवंटित की गई है।

इसी प्रकार, पीपला भरतसिंह गांव (तहसील सांगानेर) के चारागाह क्षेत्र से भी 1000 वर्गमीटर भूमि उच्च जलाशय के लिए दी जाएगी।

इसके साथ ही माधोराजपुरा की मोहनपुरा पृथ्वी सिंह ग्राम पंचायत को श्मशान भूमि के लिए रोहिणी नगर-द्वितीय योजना में आरक्षित 11,928 वर्गमीटर भूमि में से 500 वर्गमीटर ज़मीन देने का फैसला भी बैठक में लिया गया।

इन फैसलों से जहां बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, वहीं शहर की योजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है।

वक्फ बिल भ्रांतियां दूर करने के लिए बीजेपी चलाएगी अभियान

टोंक (रॉयल पत्रिका।वक्फ संपत्तियों से जुड़े नए कानून को लेकर मुस्लिम समुदाय में फैली गलतफहमियों को खत्म करने के लिए भारतीय जनता पार्टी अब सक्रिय मोड में आ गई है। इसी क्रम में भाजपा जल्द ही 'वक्फ सुधार जन जागरण अभियान' शुरू करने जा रही है, जिसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने इस अभियान की कमान ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को सौंपी है। अभियान के सफल संचालन के लिए प्रभु बाडोलिया को संयोजक और शैलेन्द्र चौधरी,

विकार खान, रामकिशन गुर्जर तथा राधेश्याम चांवला को सह-संयोजक नियुक्त किया गया है।

20 अप्रैल को टोंक में होगी कार्यशाला

इस अभियान को लेकर पहली बड़ी बैठक 20 अप्रैल को टोंक में कार्यशाला के रूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें अभियान की रणनीति और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।

जिलाध्यक्ष चौहान ने जानकारी दी कि भाजपा कार्यकर्ता मुस्लिम समुदाय के हर घर तक पहुंचकर नए वक्फ कानून की वास्तविकता से अवगत कराएंगे और इस कानून के फायदे गिनाते हुए जागरूकता पत्रक भी वितरित करेंगे।

क्या है कानून का उद्देश्य?

भाजपा का दावा है कि नया वक्फ कानून पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग, पक्षपात और अवैध कब्जों को रोकना है।

चौहान का कहना है कि कुछ राजनीतिक दल इस कानून को लेकर मुस्लिम समाज में भ्रम फैला रहे हैं, जबकि यह कानून समाज की भलाई और हित में है।

गौरतलब है कि यह संशोधित वक्फ बिल हाल ही में दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी प्राप्त कर चुका है, जिससे यह अब कानून का रूप ले चुका है।

मुजफ्फरपुर में बस्ती में आग, 5 की मौत

- मृतकों में 4 बच्चे, 15 बच्चे अभी लापता

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों की झुलसकर मौत हो गई है। वहीं, 15 बच्चे लापता है। मृतकों में छोटू पासवान की बेटी अंशिका कुमारी (05), राज पासवान के बच्चे ब्यूटी कुमारी (08), सृष्टि कुमारी (06), विपुल कुमार (10) शामिल हैं। बताया जा रहा

है कि गोलक पासवान के घर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और देखते ही देखते पूरे झुग्गी के इलाके में फैल गई। मुजफ्फरपुर के डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया, गांव के गोलक पासवान में घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।

योगी सबसे बड़े भोगी, 'कुंभ' भगदड़ पर कुछ नहीं बोलते

इमामो के सम्मेलन में यूपी सीएम पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। इमामों की सभा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा- यूपी के सीएम योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े भोगी हैं।

महाकुंभ में कई लोगों की जान चली गई। उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ों में कई लोग मारे गए। योगी लोगों को रैलियां नहीं निकालने देते। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद ममता ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में कहा-बंगाल में बहुत आजादी है। दरअसल, यूपी के सीएम योगी ने मंगलवार को बंगाल हिंसा पर कहा था- बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं।

बीजेपी को छोड़ किसी और से गठबंधन करेंगे एकनाथ शिंदे!

शिंदे और राज ठाकरे की मुलाकात से गरमाई राजनीति

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहने के बाद अब उप मुख्यमंत्री का दायित्व संभाल रहे एकनाथ संभाजी शिंदे क्या फिर से चौंकाएंगे। मंगलवार को एकनाथ शिंदे ने

आश्चर्यजनक तौर पर मुंबई में मनसे चीफ राज ठाकरे के घर पर स्नेह भोज किया। इसके बाद से महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। चर्चा हो रही है कि क्या एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना बीएमसी और दूसरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मनसे के साथ गठबंधन करने वाले हैं। कहते हैं राजनीति में जो दिखता है वह होता नहीं है। राजनीतिक चर्चाओं के बीच शिंदे ने मीडिया से कहा कि वे राज से मिलने गए थे।

आर्टिकल 26 सेक्युलर है, सभी समुदायों पर यह लागू होता है

- वक्फ कानून पर हुई सुनवाई पर बोले चीफ जस्टिस संजीव खन्ना
- हिंसा से एससी परेशान, नए कानून पर रोक लगाने से किया इनकार
- केंद्र से पूछा- क्या सैकड़ों साल पुरानी मस्जिदों के दस्तावेज मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुनवाई शुरू हुई। इस दौरान कई ऐसे मौके आए जब चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल को टोका और उन्हें संवैधानिक पहलुओं की जानकारी दी। नए वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सिब्बल भी पैरवी कर रहे हैं।

इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय बेंच में हो रही है, जिसमें उनके अलावा जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन भी शामिल हैं। नए वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस खन्ना ने साफ किया है कि जहां तक भूमि कानूनों का सवाल है, सुप्रीम कोर्ट को हमेशा संरक्षण प्राप्त है। एक मौके पर सिब्बल ने कहा कि वक्फ काउंसिल और बोर्ड में पहले सिर्फ मुसलमान होते थे...अब हिंदू भी हिस्सा हो सकते हैं...यह ठीक नहीं।

- केंद्र से पूछा-क्या सैकड़ों साल पुरानी मस्जिदों के दस्तावेज मिलेंगे- केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दो घंटे सुनवाई हुई। इस कानून के खिलाफ 100 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन पर केंद्र से जवाब मांगा है, लेकिन कोर्ट ने कानून के लागू होने पर रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोध में देशभर में हो रही हिंसा पर चिंता जताई। इस पर स्व ने कहा कि ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव डालने के लिए किया जा सकता है। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं।

इसी मिट्टी की पैदाइश है उर्दू, मुस्लिम धर्म से जोड़ना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले के पातुर नगर परिषद के बोर्ड पर मराठी के साथ उर्दू भाषा के उपयोग को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। मंगलवार को कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि भाषा का धर्म नहीं होता और उर्दू को केवल मुसलमानों की भाषा मानना सच्चाई और भारत की विविधता की एक दुर्भाग्यपूर्ण गलतफहमी है। यह याचिका पूर्व नगरसेविका वर्षाताई संजय बगाड़े ने दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि नगर परिषद का कार्य केवल मराठी में ही हो सकता है और उर्दू का उपयोग बोर्ड पर भी नहीं होना चाहिए। पहले यह याचिका नगर परिषद और फिर बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। अंत में याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं। जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि भाषा किसी धर्म की नहीं, बल्कि समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है।

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के अगले चीफ जस्टिस

- सीजेआई संजीव खन्ना ने की है उनके नाम की सिफारिश
- जस्टिस बालकृष्णन के बाद सीजेआई बनने वाले दूसरे दलित

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस बीआर गवई देश के अगले चीफ जस्टिस होंगे। वर्तमान सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के सबसे सीनियर मोस्ट जज बीआर गवई को अपना उत्तराधिकारी बनाने की सिफारिश की। जस्टिस गवई भारत के 52वें

चीफ जस्टिस बनने वाले हैं। बीआर गवई 14 मई को शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें पद की शपथ दिलाएंगी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के 65 वर्ष की आयु में रिटायर्ड होने के बाद जस्टिस खन्ना ने नवंबर 2024 में सीजेआई का पद संभाला था। भूषण रामकृष्ण गवई का जन्म 24 नवंबर, 1960 को अमरावती में हुआ था। वे 16 मार्च, 1985 को बार में शामिल हुए थे। जस्टिस गवई लगभग छह महीने तक भारत के चीफ जस्टिस रहेंगे। जस्टिस गवई नवंबर में रिटायर्ड होने वाले हैं। जस्टिस केजी बालकृष्णन के बाद वे चीफ जस्टिस का पद संभालने वाले दूसरे दलित होंगे, जिन्हें 2007 में देश के शीर्ष न्यायिक पद पर प्रोमोट किया गया था। जस्टिस गवई राज्य में हाई कोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता और जस्टिस बैरिस्टर राजा भोंसले के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने 1987 से 1990 तक बॉम्बे हाई कोर्ट में स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस की।

बीजेपी और संघ को हराने का रास्ता गुजरात से होकर ही जाता है

- गुजरात के मोडासा में राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

अहमदाबाद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात दौरे के दूसरे दिन आज मोडासा जिले के अरावल्ली पहुंचे हैं। यहां वे सर्किट हाउस में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। इसके बाद बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर हॉल में जिले के 1200 बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बीजेपी और आरएसएस को हराने के रास्ता गुजरात से होकर जाता है अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा- वर्तमान लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं है, बल्कि भाजपा-आरएसएस और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है। पूरा देश जानता है कि अगर कोई भाजपा को हरा सकता है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है। अगर हमें देश में आरएसएस और भाजपा को हराना है तो इसका रास्ता गुजरात से होकर ही जाता है। उन्होंने कहा- हमारी पार्टी की शुरुआत गुजरात में ही हुई थी। आपने हमें हमारे महानतम नेता महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए लेकिन हम गुजरात में लंबे समय से हतोत्साहित थे। लेकिन मैं आपको आश्वस्त करने आया हूं कि कुछ भी मुश्किल नहीं

है। पार्टी में बदलाव लाने का फैसला शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी में बदलाव लाने का फैसला किया है। अब जिला स्तर के नेताओं को भी मजबूत किया जाएगा। आज पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा हो रही है, जो पार्टी के लिए विनाशकारी है। मुझे पार्टी नेताओं से जानकारी मिली है कि स्थानीय चुनावों के टिकट वितरण में स्थानीय लोगों को ही शामिल नहीं किया जाता है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा- अहमदाबाद में पार्टी नेताओं से हुई चर्चा का मुख्य मुद्दा यही था कि राज्य के किसी जिले को अहमदाबाद से नहीं चलाया जाना चाहिए। जिले को जिले से ही चलाया जाना चाहिए। इसके लिए जिला नेताओं को मजबूत किया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष को जिम्मेदारी और शक्ति सौंपी जानी चाहिए। हम यह काम अभी से शुरू कर रहे हैं। प्यार से भाजपा के लोगों को बाहर करना है हमें अब नई पीढ़ी को कांग्रेस में लाना है। लेकिन, यह भी ध्यान रखना है कि इस भीड़ में भाजपा से जुड़े लोग भी शामिल होंगे और हमें उन्हें प्यार से बाहर निकालना है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ता सबसे मजबूत लोग हैं। आपको जहां भी मेरी जरूरत होगी। मैं गुजरात के कोने-कोने में आपके लिए मौजूद रहूंगा। ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को पार्टी से जोड़ना है उन्होंने आगे कहा कि गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ता सबसे मजबूत लोग हैं। हमें पार्टी में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जोड़ना है। आपको जहां भी मेरी जरूरत होगी। मैं गुजरात के कोने-कोने में आपके लिए मौजूद रहूंगा। कांग्रेस की बैठकों से नदारद रहने वाले कार्यकर्ताओं के लिए उन्होंने कहा कि जिला बैठकों में शामिल न होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

बोलीं मायावती

विधानसभा चुनाव की तैयारी करिए

लखनऊ (एजेंसी)। मायावती ने बुधवार को बसपा पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए हर कार्यकर्ता को मेहनत करनी होगी। बसपा का मूल जनाधार दलित, पिछड़े और आदिवासी हैं, जिन्हें भाजपा और कांग्रेस बरगलाने में लगी है। बसपा प्रमुख ने कहा कि समय कम है और चुनौतियां बड़ी हैं। अभी से 2027 विधानसभा चुनाव

की तैयारियों में जुट जाइए। कार्यकर्ताओं को सिर्फ चुनाव के समय नहीं, हर वक्त जनता के बीच रहना होगा। उन्होंने संगठन की तैयारियों की समीक्षा कर नेताओं को दिशा-निर्देश दिए। लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 300 पदाधिकारी शामिल हुए। मायावती ने कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए कहा कि वे गांव-गांव, घर-घर जाकर जनता को भाजपा और कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता के बारे में बताएं।

ट्रम्प ने चीन पर 100 फीसदी टैरिफ और बढ़ाया, 245 किया

- चीन बोला-ट्रेड वॉर से नहीं डरते, 5 दिन पहले अमेरिकी सामानों पर 125 फीसदी टैरिफ लगाया था

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर और आगे बढ़ गया है। अमेरिका ने अब चीन पर 100 फीसदी और टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ चीनी सामान पर कुल टैरिफ 245 फीसदी हो गया है। चीन ने 11 अप्रैल को अमेरिकी सामान पर 125 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नया टैरिफ लगाया है। इससे पहले चीन ने कहा था कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा। अमेरिका की तरफ से नए टैरिफ के ऐलान के बाद चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। चीन ने दोबारा कहा कि अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि चीन को बातचीत की शुरुआत करनी होगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अगर अमेरिका सच में बातचीत को डायलॉग और समझौते के जरिए मुद्दे को सुलझाना चाहता है, तो उसे बेमतलब का दबाव बनाना, डराना और ब्लैकमेल करना बंद करना चाहिए और चीन के साथ बराबरी, सम्मान और आपसी हित पर बात करनी चाहिए।

गुरुग्राम लैंड स्कैम, रॉबर्ट वाड्रा फिर ईडी दफ्तर पहुंचे

- प्रियंका गांधी खुद छोड़ने आईं, कांग्रेस भी सड़क पर उतरी

पेशी से पहले बोले-वे परेशान करेंगे तो और स्ट्रॉन्ग बनूंगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। गुरुग्राम लैंड स्कैम केस में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा लगातार दूसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर पहुंचे हैं। उन्हें छोड़ने के लिए खुद प्रियंका गांधी आईं। इससे पहले मंगलवार को भी ईडी ने वाड्रा से करीब 6 घंटे पूछताछ की थी। वाड्रा पूछताछ के लिए पैदल ही दफ्तर पहुंचे थे। आज पेशी से पहले वाड्रा ने कहा, मैं कभी भी अपने आपको सॉफ्ट टारगेट नहीं बुलाऊंगा। आप (केंद्र सरकार) मुझे परेशान करोगे या कोई प्रेशर डालोगे तो मैं और उभरकर आऊंगा, स्ट्रॉन्ग बनूंगा। हम लोगों की बात रखते हैं, इसलिए टारगेट पर हैं। हम किसी से डरते नहीं हैं। हम हमेशा लोगों के लिए लड़ते रहेंगे। संसद में चाहे राहुल गांधी को रोका जाए या मुझे बाहर रोका जाए, हम सच्चाई और लोगों के लिए लड़ते रहेंगे। हम टारगेट जरूर हैं, पर सॉफ्ट टारगेट नहीं हैं। हम हार्ड टारगेट हैं, और हार्डर (मजबूत) बनते रहेंगे। समय बदलता रहता है। इस मामले में ईडी ने 8 अप्रैल को भी वाड्रा को समन भेजा था, हालांकि तब वह पेश नहीं हुए थे। मंगलवार को ईडी दफ्तर जाते समय वाड्रा ने कहा था कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से की जा रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

अपनी है उर्दू...

सुप्रीम कोर्ट का उर्दू से जुड़े मामले में दिया गया फैसला बताता है कि भारत जैसे देश के लिए भाषाई विविधता कितनी जरूरी है। भाषा को किसी धर्म, संप्रदाय से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह तो पुल की तरह है, जो लोगों को जोड़ने का काम करती है। उम्मीद है कि टिप्पणियों के रूप में आई शीर्ष अदालत की नसीहत भाषाई विवाद खड़ा करने वालों को कुछ सीख देगी।

प्रभावी संवाद: यह मामला महाराष्ट्र से जुड़ा हुआ था। वहां बॉम्बे हाईकोर्ट ने अकोला के पाटूर नगर परिषद की नई इमारत के साइनबोर्ड पर मराठी के साथ उर्दू के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट इसी फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। अदालत ने माना कि उर्दू के प्रयोग का उद्देश्य केवल प्रभावी संवाद है।

बोलचाल की भाषा: भारत में आबादी की तरह भाषाएं भी मिली-जुली हैं। एक भाषा के शब्द दूसरी भाषा में कब चले जाते हैं, बोलने वाले को भी पता नहीं चलता। और उर्दू तो खासतौर पर बहन कही जाती है हिंदी की। इसके बिना रोजमर्रा की बोलचाल भी नहीं हो सकती। यूपी, बिहार जैसे हिंदीभाषी राज्यों को छोड़ दिया जाए, तो कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे दक्षिण के राज्यों में भी उर्दू बोलने वालों की अच्छी-खासी तादाद है। जिस महाराष्ट्र में यह विवाद हुआ, वहां स्थापित फिल्म इंडस्ट्री उर्दू के लफ्जों के बिना एक कदम भी नहीं चल पाएगी।

भारत की जुबान: उर्दू से जुड़ा विवाद उस मानसिकता की देन है, जिसके हिसाब से यह भाषा भारत की नहीं है। यह धारणा बना ली गई है कि जिस तरह धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हुआ और उसके परिणाम में मानव इतिहास का सबसे बड़ा विस्थापन देखना पड़ा, उसी तरह उर्दू को भी भारत से विस्थापित हो जाना चाहिए। हालांकि भाषाएं अपना देश नहीं छोड़ा करतीं और उर्दू तो भारत की ही है, जैसे संस्कृत, हिंदी या फिर बांग्ला। इन भाषाओं ने अपने शब्दों, साहित्य से दूसरी भारतीय भाषाओं को और समृद्ध ही किया है। उर्दू का अदब और रेशमी सलीका भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, जिसे कोई नकार नहीं सकता।

भाषा पर राजनीति: बहुभाषी देश में भाषाओं को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। दक्षिण भारत में हिंदी को लेकर प्रतिरोध बहुत पुराना है। हाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की वजह से यह मामला फिर उछला था। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार उन पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। इस तरह के विवादों में आम लोगों की संवेदनाएं, पुरानी धारणाएं और राजनीति प्रमुख भूमिका निभाती हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के अनुसार यह समझने की जरूरत है कि भाषा धर्म नहीं है... यह एक समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है, धर्म की नहीं।

वक्फ बिल विवाद और 'सौगात-ए-मोदी'

मुसलमानों को लेकर BJP की दोहरी रणनीति पर मंथन

ईद के मौके पर देशभर में लाखों मुसलमानों को केंद्र सरकार की ओर से एक खास तोहफा मिला — 'सौगात-ए-मोदी' नाम की एक किट, जिसमें खाने-पीने और जरूरत की चीजें थीं। सोशल मीडिया पर बीजेपी नेता इस 'कृपा' को प्रचारित कर रहे थे। लेकिन इसी वक्त, सरकार एक विवादित वक्फ संशोधन बिल को लेकर भी घिरी हुई है, जिसे मुस्लिम समाज अपनी धार्मिक संपत्तियों पर सीधा हमला मान रहा है।

ऐसे में सवाल खड़ा होता है — क्या बीजेपी दोहरी रणनीति पर काम कर रही है? एक तरफ हिंदुत्व को साधने के लिए वक्फ कानून में बदलाव, और दूसरी ओर अल्पसंख्यकों को welfare के ज़रिए करीब लाने की कोशिश?

क्या है 'सौगात-ए-मोदी'?

राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में ईद से पहले हजारों मुस्लिम परिवारों को एक पैकेट मिला जिसमें लिखा था — "सौगात-ए-मोदी", और नीचे 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी' की फोटो।

किट में राशन, मिठाई, इत्र, टोपी और बच्चों के लिए कुछ उपहार रखे गए थे। ये वितरण कुछ जगहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया, तो कुछ स्थानों पर मुस्लिम समुदाय के बीच सक्रिय संघटनाएं इसमें शामिल थीं।

बीजेपी नेताओं ने इसे 'मोदी का स्नेह' बताया, जबकि विरोधियों ने इसे 'छवि सुधार अभियान' करार दिया।

दूसरी तरफ — वक्फ संशोधन बिल से क्यों भड़का विवाद?

2023 के अंत में सरकार ने वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव में:

वक्फ बोर्ड को दी गई असीम शक्तियों को सीमित करने की बात कही गई है।

किसी संपत्ति को वक्फ घोषित करने से पहले जनसुनवाई और दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य किए गए हैं।

कुछ मामलों में सरकारी अधिग्रहण को वैध माना गया है।

मुस्लिम संगठनों का आरोप:

"यह बिल हमारी धार्मिक और सामाजिक संपत्तियों पर हमला है।"

"सरकार हमारी मस्जिदों, कब्रिस्तानों और मदरसों की ज़मीनें हड़पना चाहती है।"

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। कई संगठनों ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की भी बात की है।

दोनों कदम एक साथ क्यों?

विश्लेषकों के अनुसार, ये रणनीति BJP के मुस्लिम वोट बैंक में प्रवेश करने के नए प्रयास का हिस्सा है।

1. राजनीतिक गणित:

बिहार की 32 सीटों पर मुस्लिम आबादी 30% से ज्यादा है।

पश्चिम बंगाल, यूपी, केरल और असम में भी मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

2020 के बिहार चुनाव में भाजपा को 34% मुस्लिम बहुल सीटों पर सफलता मिली थी।

2. नरम हिंदुत्व + सोशल वेलफेयर:

पार्टी अपने कट्टर हिंदुत्व चेहरे के साथ-साथ अल्पसंख्यकों को 'फायदे' दिखाकर अपनी ओर खींचना चाहती है।'साबका साथ, सबका विकास' के नारे को अब ज़मीनी रूप देने की कोशिश हो रही है।भाजपा की पुरानी नीति से अलग?गुजरात के हालिया स्थानीय चुनाव में BJP ने मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा और कुछ ने जीत भी दर्ज की। इसके अलावा:

मुस्लिम महिलाओं से जुड़ी योजनाएं — उज्जवला, शौचालय, बैंक खाते।

हज सब्सिडी हटाने के बाद भी, सुविधाएं बढ़ाई गईं।

फ्री राशन स्कीम से भी बड़ा मुस्लिम वर्ग जुड़ा।

ये संकेत हैं कि भाजपा एक 'कंट्रोल्ड मुस्लिम एंगेजमेंट' की रणनीति पर चल रही है — जो पार्टी की मुख्य हिंदुत्व आइडेंटिटी को नुकसान न पहुंचाए लेकिन वोटबैंक में सेंध लगाए।

लेकिन मुस्लिम समाज क्या सोचता है?

भाजपा की इन पहलों के बावजूद मुस्लिम समुदाय का बड़ा हिस्सा अब भी असहज है।

CAA-NRC, बुलडोजर पॉलिटिक्स, मॉब लिंचिंग, और अब वक्फ बिल जैसे मुद्दों ने दूरी बना रखी है।

'सौगात-ए-मोदी' जैसी पहल को ज्यादातर लोग 'चुनावी स्टंट' मानते हैं।

जयपुर निवासी मौलाना नदीम काज़मी कहते हैं:

"पहले हमारे वुज़ू खाने पर बुलडोजर चलता है, फिर मिठाई भेजी जाती है — इसे मुसलमान अब पहचान चुका है।"

निष्कर्ष: 2024 की तैयारी या असली बदलाव?

भाजपा की नीति में बदलाव है या सिर्फ पैकेजिंग बदली है — यह आने वाले महीनों में साफ होगा।

वक्फ बिल से जहां मुस्लिमों का डर और बढ़ा है, वहीं 'सौगात-ए-मोदी' से पार्टी एक सॉफ्ट टच देने की कोशिश कर रही है।

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले ये दोनों तस्वीरें एक साथ सामने आना, इस बात का साफ इशारा है कि BJP मुस्लिम समुदाय को लेकर 'दोहरी लेकिन सोची-समझी' रणनीति पर काम कर रही है।

जलवायु परिवर्तन

ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों के पिघलने से सिकुड़ रही जीवन की धारा

दुनिया में ग्लेशियरों का पिघलना समूचे प्राणी जगत के लिए संकट का सबब बन गया है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 में दुनिया में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया है कि यदि ग्लेशियरों के पिघलने की मौजूदा दर इसी तरह जारी रही तो इस संकट के परिणाम अभूतपूर्व और विनाशकारी होंगे। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगा तो दुनिया की कुल 8.2 अरब आबादी में से दो अरब से भी ज्यादा लोग पानी और भोजन की गंभीर समस्या का सामना करने को विवश होंगे। गौरतलब है कि ग्लेशियरों की धरती पर जल चक्र बरकरार रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्लेशियरों का पानी ही नदियों के जरिये हमारे जीवन की धारा को आगे बढ़ाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के पिघलने को कहें या सिकुड़ने से नदियों पर संकट दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। हकीकत यह है कि जलवायु परिवर्तन के चलते ग्लेशियरों के सिकुड़ने और पर्वतीय क्षेत्रों में दिनोंदिन घटती बर्फबारी के कारण दुनिया की दो तिहाई खेती योग्य जमीन के प्रभावित होने की प्रबल आशंका है। समूची दुनिया में तकरीब 2.75 लाख से भी ज्यादा ग्लेशियर सात लाख से अधिक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं जो जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से पिघल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो दुनिया के सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीसरे वर्ष यानी 2022, 2023 और 2024 में अभूतपूर्व नुकसान देखा गया है। इस बारे में यदि विश्व मौसम विज्ञान संगठन की मानें तो इसमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। यही नहीं अमेरिका की कोलोराडो नदी तो 2020 में ही सूख चुकी है। यूनेस्को के डायरेक्टर जनरल आंड्रे एंजुले का कहना है कि ग्लेशियर और पर्वतीय जल स्रोतों पर हम पूरी तरह निर्भर हैं। क्योंकि दुनिया में पेयजल का 70 फीसदी हिस्सा इन्हीं ग्लेशियरों में संरक्षित है। जलवायु परिवर्तन के चलते इनके तेजी से पिघलने से पेयजल के इन सबसे बड़े स्रोतों के अस्तित्व पर संकट है। इसलिए इन्हें बचाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। क्योंकि ग्लेशियर हैं तो जल है, जल है तो जीवन है और जीवन है तो हम हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और नेशनल स्नो एण्ड आइस डेटा सेंटर के शोध से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि वर्ष 2010 के पहले आर्कटिक और अंटार्कटिका में जो बर्फ की चादर बिछी होती थी, उसमें अब लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी हो गयी है। वहां अब मात्र 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ बची है। यह 2017 के 144 लाख वर्ग किलोमीटर के पिछले निम्नतम स्तर से भी नीचे चली गयी है। 2000 और 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों ने हर साल लगभग 270 अरब टन बर्फ को खो दिया है। एक वर्ष में 270 अरब टन बर्फ का नुकसान पूरी वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्ष में खपत किये जाने वाले पानी के बराबर है। इस बारे में मैरीलैंड के ग्रीनबेल में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट का कहना है कि अगली गर्मियों के मौसम में हमारे पास बहुत कम बर्फ बचेगी। इसमें मानवीय गतिविधियों, मुख्यतः जीवाश्म ईंधन के जलने से हुयी तापमान में बढ़ोतरी अहम है। दर असल जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जाता है, उसी गति से ग्लेशियर बनने की तुलना में तेजी से पिघलने लगते हैं और अपनी जगह छोड़ने लगते हैं।जहां तक हिमालयी ग्लेशियरों का सवाल है, सरकार की ओर से 2023 में संसद में पेश रिपोर्ट में बताया गया था कि हिमालय के ग्लेशियर अलग- अलग दर से तेजी से पिघल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से हिमालय की नदियां किसी भी समय प्राकृतिक आपदायें ला सकती हैं। रिपोर्ट में सरकार ने स्वीकार किया कि ग्लेशियर के पिघलने से नदियों के बहाव में अंतर आयेगा और जिसके परिणाम स्वरूप आबादी का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। ग्लेशियरों को बचाना महज बर्फ को बचाना नहीं है बल्कि अपने भविष्य को बचाना है। यह याद रखना होगा कि ग्लेशियर मात्र बर्फीले शिखर ही नहीं हैं, वे हमारे भविष्य की जड़ें हैं। इसलिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय दखलंदाजी पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन के दानव और कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगानी ही होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब हिमालय की धारायें मौन हो जायेंगी, हम बूंद-बूंद पानी के लिए तरस जायेंगे,खेत सूख जायेंगे, जमीन बंजर हो जायेगी और हमारे बच्चों की आंख में पानी नहीं आंसू होंगे और वे भी एक दिन सूख जायेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मानव अपनी दौड़ को सीमित करें

संकलित

दर्शन

सिकन्दर को एक महात्मा ने कहा, तुम भारत को जीत कर क्या करोगे? सिकंदर ने कहा, पहले मैं अफगानिस्तान जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? फिर मैं उजबेकिस्तान, रुस आदि देश जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? सिकन्दर बोला फिर मैं आराम करूंगा। महात्मा ने कहा अगर तुम इतना सब करके ही आराम करने वाले हो तो आज ही आराम करो तो क्या कठिनाई है? सिकन्दर कोई उत्तर नहीं दे सका। मानव की एक तृष्णा होती है अप्राप्त को प्राप्त करने की। इस तृष्णा के अन्तर्गत जीवन भर वह भाग दौड़ करता ही रहता है, फिर भी जब उसकी मृत्यु होती है, तो उस समय तक बहुत कुछ अप्राप्त ही रह जाता है। विश्व और विश्व के उपादान इतने विस्तृत है कि कोई भी व्यक्ति उन्हें पूर्ण रुप से प्राप्त नहीं कर सकता, यह स्पष्ट होते हुए भी मानव अपनी तृष्णा को निरन्तर बढ़ाता ही रहता है। आराम-सुख-शान्ति-आनन्द ये तत्व तो उसके लिए दुर्लभ ही हो जाते हैं क्यों कि वह तो जीवनभर अर्जन करने में ही जुटा रहता है। और ऐसा करते-करते ही अपना मानव जीवन बिताकर दुनियां से चला जाता है। शास्त्रों का संदेश है। मानव अपनी दौड़ को सीमित करें। तभी मानव शांति प्राप्त कर सकता है। मनुष्य की प्रवृत्ति ही जोड़ने की होती है। यह अपनी बंदमुठ्ठी कभी खोलना नहीं जानता है। जो यह समझ गया कि बंदमुठ्ठी खोलने के लिए है, उसका जीवन सार्थक होगा।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

एक लकड़ी का कटोरा

संकलित

प्रेरणा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु-बेटे के यहाँ शहर रहने गया। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ ही खाना खाते थे। लेकिन वृध्द होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। बहु-बेटे कुछ दिनों तक तो ये सब सहन करते रहे। अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के एक कोने में लगा दिया और अपने बूढ़े बाप से बोला कि पिता जी आप यहां पर बैठ कर खाना खाया करो। बूढ़ा पिता वहीं अकेले में बैठ कर अपना भोजन करने लगा, यहाँ तक की उनके खाने-पीने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाना खाते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता-पिता ने ज़मीन पर बैठकर कुछ करते हुए देखाः तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया, अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूँ, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें, और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता-पिता पर बहुत गहरा असर हुआ। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आँखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

गुरु तेग बहादुर जयंती

सिख श्रद्धालु नौवें सिख गुरु तेग बहादुर की जयंती की पूर्व संध्या पर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में धार्मिक जुलूस में भाग लेते हुए।

आज की पाती

पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक का दायित्व

हाल ही में विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट प्रकाशित हुई हैं जिससे भारत की फिर किरकिरी हुई है। इस रिपोर्ट की माने तो दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 केवल भारत के ही हैं और दिल्ली लगातार छठवीं बार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का खिताब पाने में प्रथम आई है। ऐसे दिल दहला देने वाले आंकड़े देखकर यदि यह प्रश्न पूछा जाए कि इस पृथ्वी पर सबसे खतरनाक पशु कौन है तो संभवतः शेर, बाघ, चीता जैसे पशुओं का विचार आएगा। लेकिन मेरे अनुसार इस पृथ्वी का सबसे खूंखार पशु मनुष्य है, मनुष्य ने इस ग्रह को जितनी क्षति पहुंचाई है, शायद ही किसी अन्य पशु की पूरी प्रजाति ने मिलकर उतनी क्षति पहुंचाई होगी। प्रदूषण सिर्फ भारत तक सीमित नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए चिंता का विषय है। - *रविंद्र जोशी, बिलासपुर*

ट्रेंड

एकीकरण कार्यक्रम

बंदूकों से लेकर मूंगफली और उग्रवाद से लेकर उद्यमिता तक, कार्बी आंगलोंग ने हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर बदलाव देखा है। हमारे विभिन्न पुनः एकीकरण कार्यक्रमों के माध्यम से, कई लोग मत्स्य पालन और कृषि उद्यमी के साथ-साथ नौकरी सृजक भी बन गए है।

-हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

विनम्र श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता सेनानी और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए उनका योगदान सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। वह स्वाभिमानी और गौरवान्वित करने वाले ओड़िया थे।

-मोहन चरण माझी, सीएम, ओडिशा

लोको पायलटों से अन्याय

रेलवे के लोको पायलटों की 14-14 घंटे की शिफ्ट, लगातार रात की ड्यूटी, न पर्याप्त आराम, न खाने का ब्रेक और न शौचालय की सुविधा। ये न सिर्फ उनके साथ अन्याय है, बल्कि उन करोड़ों यात्रियों की सुरक्षा से भी खिलवाड़ है जो ट्रेनों से सफर करते हैं।

- राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

वजन घटाने वाली दवा

भारत के वजन घटाने वाली दवा बाजार ने विस्फोटक वृद्धि प्रदर्शित की है, जो नवंबर 2020 में 37 करोड़ से बढ़कर नवंबर 2024 तक 535 करोड़ हो गई है।

-स्वामीनाथन पद्मनाभनश, उद्यमी

करंट अफेयर

दक्षिण अफ्रीका में गांधी की प्रतिमा का अनावरण

दक्षिण अफ्रीका के फ्री स्टेट प्रांत में 'एंग्लो-बोअर' युद्ध संग्रहालय में महात्मा गांधी की एक विशाल आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। फ्री स्टेट में लागू रंगभेद कानून की वजह से एक सदी से भी अधिक समय तक भारतीयों का इस प्रांत में प्रवेश प्रतिबंधित था। पद्म भूषण पुरस्कार विजेता राम वंगी सुतार द्वारा बनाई गई इस कांस्य प्रतिमा को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने संग्रहालय को दान किया है। प्रतिमा का अनावरण 11 अप्रैल को भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने 1899-1902 के एंग्लो-बोअर युद्ध में भारतीयों की भागीदारी की अब तक की अनकही कहानी पर एक वृत्तचित्र और एक पुस्तक के साथ किया। वर्ष 1994 में नेल्सन मंडेला के दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक राष्ट्रपति चुने जाने तक, 'ऑरेंज फ्री स्टेट' के नाम से जाने जाने वाले इस प्रांत में कानून के तहत भारतीयों के प्रवेश पर प्रतिबंध था। यहां तक कि तटीय शहर डरबन तक पहुंचने के लिए प्रांत से गुजरने वालों को भी पहले से परमिट लेना पड़ता था। भारतीय लोग यहां गन्ने के खेतों में काम करने वाले मजदूरों के रूप में यहां पहुंचे थे। ब्लोमफोनटेन में युद्ध संग्रहालय के निदेशक टोकी प्रीटोरियस ने कहा, "ब्लोमफोनटेन में युद्ध संग्रहालय का मुख्य विषय दक्षिण अफ्रीकी एंग्लो-बोअर युद्ध है।

ऑफ बीट

भेड़ों से अधिक बुद्धिमान साबित हुई हैं बकरियां

जब हम बुद्धिमान पशुओं के बारे में सोचते हैं तो आमतौर पर भेड़-बकरी जैसे जानवर हमारे जेहन में सबसे पहले नहीं आते। हमारे जेहन में चिंपांजी, आरंगुटान, कैपुचिन्स जैसे पशु या कौए जैसा पक्षी आता है। लेकिन मेरे शोध में पता चला है कि भेड़, बकरियां और अल्पाका जैसे पशु भी कम अक्लमंद नहीं होते। दो अलग-अलग अध्ययनों में, मैंने पता लगाया कि ये जानवर कैसे सीखते हैं, याद रखते हैं और अपने आस-पास की दुनिया को कैसे समझते हैं। निष्कर्षों से न केवल यह पता चलता है कि हमने उनकी सोचने-समझने क्षमताओं को कम करके आंका है, बल्कि जानकारी भी मिली कि इन पशुओं के बीच भी महत्वपूर्ण अंतर हैं। तीनों पशुओं में से बकरियां शीर्ष पर रहीं और उन्होंने याददाश्त व समस्या के समाधान के मामले में भेड़ों और अल्पाकाओं दोनों से बेहतर प्रदर्शन किया। प्रारंभिक अध्ययन भोजन जैसी किसी महत्वपूर्ण चीज के स्थान को याद रखने की क्षमता पर केंद्रित था। जंगल में, यह जीवित रहने का एक महत्वपूर्ण कौशल है। जानवरों को यह याद रखने की जरूरत होती है कि उन्हें पानी, भोजन या आश्रय कहां मिलेगा। मैंने एक सरल प्रयोग किया। प्रत्येक जानवर को एक छोटे से क्षेत्र में कई बाल्टियों में से एक में छिपा हुआ भोजन ढूंढना था।

रॉयल पत्रिका

सोलर प्लांट से राज्य में ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को मिलेगी गति - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विकास को लेकर प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी की सहभागिता से राजस्थान में ऊर्जा के क्षेत्र में हरित और उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे जिससे उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की संकल्पसिद्धि हो सके। शर्मा गुरूवार को जैसलमेर के पोकरण में रिन्यू पावर के 1.3 गीगावॉट पीक के सौर ऊर्जा संयंत्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसलमेर की सुनहरी धरा पर स्थापित इस सोलर प्लांट से राज्य में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर किए जा रहे कार्यों को गति मिलेगी। इस सोलर प्लांट से उत्पादित समस्त बिजली राजस्थान की वितरण कंपनियों को कम दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उपभोक्ताओं को ऊर्जा निर्बाध रूप से मिल सकेगी तथा भविष्य की परियोजनाओं के लिए भी एक बेंचमार्क तैयार होगा। इस संयंत्र से 1,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल और सबसे स्वच्छ ऊर्जा है। अन्य ऊर्जा स्रोतों

के भंडार सीमित हैं लेकिन सौर ऊर्जा का कोई क्षय नहीं होता है, यह अक्षय ऊर्जा है। हर परिवार सौर ऊर्जा का उत्पादक बन सकता है।

राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेशकों के लिए एक उपयुक्त स्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की भौगोलिक स्थिति भी नवीकरणीय ऊर्जा के अनुकूल है। राजस्थान में 142 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की संभावनाएं हैं। कच्चे माल की भरपूर उपलब्धता, अच्छा औद्योगिक बुनियादी ढांचा, अनुकूल भौगोलिक स्थिति और कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता प्रदेश को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के निवेशकों के लिए एक उपयुक्त स्थान बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सौर तथा पवन ऊर्जा उत्पादन को एकीकृत करने की दिशा में पहल करते हुए पश्चिमी राजस्थान में एक ग्रीन कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इसमें एक ग्रिड सब स्टेशन का नेटवर्क भी शामिल है, जिससे 6,311 मेगावाट हरित ऊर्जा उत्पादित होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नवीकरणीय ऊर्जा की उत्पादक कंपनियों को उचित दरों पर बड़े सरकारी भूखंड उपलब्ध करवा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार कौशल संवर्धन, बुनियादी ढांचा और तकनीकी विकास के लिए अनेक योजनाएं भी संचालित कर रही है।

प्रधानमंत्री के विजन से राष्ट्र बन रहा हरित ऊर्जा क्रांति का प्रतीक

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2030 तक देश में 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो उनके पंचामृत लक्ष्यों का एक अहम हिस्सा है। यह लक्ष्य भारत के ऊर्जा भविष्य को संवारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा हमारे राष्ट्र की हरित ऊर्जा क्रांति का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में ही 4.5 गीगावाट के लक्ष्य के मुकाबले 6 गीगावाट की ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का जो लक्ष्य प्रधानमंत्री ने रखा है उसे हासिल करने में राजस्थान महत्वपूर्ण योगदान देगा। शर्मा ने कहा कि आज शुरू हुआ यह संयंत्र मेक इन इंडिया का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इसमें भारत में बने हुए 100 प्रतिशत मॉड्यूल इस्तेमाल हुए हैं और 90 प्रतिशत कंपोनेंट की खरीद राजस्थान से की गई है। यह बात स्थानीय उद्योगों के लिए अच्छी है तथा आत्मनिर्भर भारत के हमारे विजन के भी अनुरूप है।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार केन्द्र सरकार द्वारा लगातार ऊर्जा उत्पादन में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप ऐसे संयंत्रों से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में एनर्जी के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन

-विधायक मनीष यादव ने दिए सकारात्मक आश्वासन

मनोहरपुर,(रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन की ओर से गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विधायक मनीष यादव सहित क्षेत्र के कई अन्य जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लिया।

जनता ने उठाई विभिन्न समस्याएं

इस जनसुनवाई में आमजन ने अपनी दैनिक जीवन में आने वाली कई समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। शिकायतों में मुख्य रूप से बिजली की अनियमित आपूर्ति और लंबी कटौती, पेयजल की कमी, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत में देरी, छात्रवृत्ति और पालनहार योजना के लंबित भुगतान, स्वास्थ्य सेवाओं में कमी, सफाई व्यवस्था का ठीक से संचालन न होना तथा सड़कों पर खराब लाइटिंग सिस्टम जैसे मुद्दे शामिल थे।

विधायक मनीष यादव ने व्यक्त किए विचार

इस अवसर पर विधायक मनीष यादव ने कहा कि ब्लॉक लेवल पर अधिकारी जनता का कार्य करे तो लोगो को यहाँ तक नहीं आना पड़े। विधायक ने लोगो की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर अधिकारियों को समाधान के लिए निर्देशित किया।

विधायक ने आश्वासन दिया कि जनता द्वारा उठाई गई समस्याओं का समाधान शीघ्र कराने के लिए वे पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। साथ ही, उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया कि सभी लंबित मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए।

जिला प्रशासन ने नागरिकों को विश्वास दिलाया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की जाएगी।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने दिए त्वरित निर्देश

अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनीता सिंह ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य जनता की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करना है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय बनाकर काम करना होगा।

इस दौरान आमेर से विधायक प्रशांत शर्मा, चोमू से शीखा मील बराला, चाकसू से रामावतार बैरवा, जमवारामगढ़ से महेंद्रपाल मीणा और फुलेरा से विद्याधर चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इसके अलावा, जिला स्तर के सभी प्रमुख अधिकारी भी मौजूद रहे और उन्होंने अपने-अपने विभागों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

राज्यपाल ने अनुसूचित क्षेत्र में जनजाति कल्याण हेतु संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिकारियों से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों के पारंपरिक पशुपालन व्यवसाय, दुग्ध उत्पादन, हस्तशिल्प, कारीगरी व्यवसायों और स्थानीय हस्त—शिल्प कलाओं की प्रभावी मार्केटिंग करने पर भी जोर दिया। उन्होंने राज्य के सभी 9 जनजातीय जिलों के कलेक्टरों से घुमंतू और भीख मांगने वाले लोगों से संवाद कर उनके बच्चों की शिक्षा की पुख्ता व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में संचालित आश्रम छात्रावासों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने, वहां निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और औचक निरीक्षण कर जनजातीय क्षेत्रों का सभी स्तरों पर विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

बागडे गुरुवार को राजभवन में अनुसूचित क्षेत्र में जनजाति कल्याण हेतु संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस दौरान कुछ समय पहले राजसमंद जिले में किए गए अपने दौरे पर छात्रावास एवं विद्यालय के मध्य दूरी की असुविधा को देखते हुए बालिकाओं के लिए परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। बैठक में उन्होंने इस संबंध में की गयी कार्यवाही के बारे में भी जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि छात्राओं के लिए 23 मार्च से ही परिवहन की सुविधा सुनिश्चित कर दी गयी है।

राज्यपाल ने अनुसूचित क्षेत्र में आदिवासी लोगों द्वारा वनाधिकार पट्टों के दावों के भी शत—प्रतिशत निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने दावों की प्रगति की समीक्षा की और लंबित दावों पर त्वरित कार्यवाही करने की हिदायत दी। उन्होंने विभागीय बजट एवं व्यय के हिसाब और लक्ष्यों की कागजी पूर्ति की बजाय अनुसूचित क्षेत्र में व्यावहारिक रूप में आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार, उनके लिए बेहतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं, उनके कौशल प्रशिक्षण और विद्यार्थियों की शिक्षा पर होने वाले खर्च की पूरी निगरानी रखने और उन्हें विकास योजनाओं से लाभान्वित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में लगे अधिकारियों के बारे मं् भी जानकारी ली और कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में वहां के अधिकारी और कर्मचारी लगें। इसी से वे जमीनी स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं और विकास की संभावनाओं के आधार पर प्रभावी परिणाम दे पाएंगे।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी ने जनजातीय क्षेत्रों में निर्माण कार्यों, छात्रावासों में हो रहे कार्यों के बारे में अधिकारियों से चर्चा करते हुए आवश्यकतानुसार क्षेत्रों में समयबद्ध कार्य पूर्ण किए जाने और विकास योजनाओं से अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित किए जाने का आह्वान किया।

बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने अनुसूचित क्षेत्र में क्रियान्वित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं के एजेंडे के अनुसार गतिविधियों से अवगत कराया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन, वित्त विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, ग्रामीण विकास, प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शासन सचिव कार्मिक विभाग, जनजाति क्षेत्र, कृषि और ग्रामीण विकास विभाग, स्कूल शिक्षा, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, आयुक्त, पंचायती राज सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों ने भाग लिया। बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, पाली तथा सलूम्बर के जिला कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक में सम्मिलित हुए।

25 साल से अटकी भविष्य निधि की राशि हुई जारी तो चेहरे पर खिली मुस्कान

- जिला स्तरीय जनसुनवाई में आमजन का समस्याओं का हुआ समाधान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गुरुवार का दिन सेवानिवृत शिक्षिका श्रीमती शारदा देवी के लिए राहत लेकर आया, जब 25 सालों से अटकी उनकी भविष्य निधि की 10 लाख रुपये से ज्यादा राशि के भुगतान स्वीकृति जारी हुई। गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा की मौजूदगी में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने राजस्व प्रकरणों से जुड़े 76 परिवादों सहित 199 फरियादियों के परिवाद सुने, जिनमें से 18 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए कलक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस मौके पर विधायक डॉ. शिखा मील बराला मील बराला सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। जिला स्तरीय जनसुनवाई में कुल 199 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें प्रमुख रूप से अतिक्रमण हटवाने पेंशन शुरू करवाने, सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने, पेयजल की सप्लाई सुचारू कराने, पत्थरगढ़ी, कृषि भूमि में आवागमन हेतु रास्ता खुलवाने, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क, आवासीय पट्टा, बनवाने नामांतरण जमीन विवाद सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आमजन के प्रति जवाबदेही के साथ समस्याओं का निस्तारण करते हुए राहत देने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन के अभाव अभियोगों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर संवेदनशील हैं। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल ने पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन को नियमित जनसुनवाई के निर्देश दिये हैं।जनसुनवाई में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) श्रीमती विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) श्रीमती कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) देवेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) संतोष कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मेले में 350 पुलिस प्रशासन का लगेगा जाप्ता

मनोहरपुर, (रीयल पत्रिका)। हिन्द मुस्लिम एकता का प्रतीक ऊंची डूंगरी विराजमान हजरत बुरहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला का वार्षिक उर्स मेले के आयोजन को लेकर सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण यातायात बृजमोहन मीणा और रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। इस दौरान अतिरिक्त अधीक्षक जयपुर ग्रामीण यातायात ब्रजमोहन मीणा रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह, चौकी इंचार्ज हेड कांस्टेबल सत्येंद्र कुमार कांस्टेबल गोकुल मीणा ने दरगाह के आसपास पार्किंग व्यवस्था मीना बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान सरपंच आमिर खान पूर्व सरपंच फखरुद्दीन शेख अन्नू खान शेख, खादिम हाजी शकूर खान शेख, हाजी फखरुद्दीन टिकाई, सिराज खान आदि साथ में मौजूद रहे और चौकी इंचार्ज हेड कांस्टेबल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त अधीक्षक मीणा ने 2 एडिशनल एसपी , 5 डिवाइएसपी, 8 सी आई , 7 एसआई, 17 एएसआई व 294 हैड कांस्टेबल व कांस्टेबल लगभग 350 पुलिस जाप्ता लगाने की बात कही। जमील खान चौहान ने मेले में आने वाली समस्याओं को उठाया और उनके समाधान के लिए सुझाव दिए।

मेले में आने वाली समस्याएं और समाधान:-

मनोहरपुर से आने वाले जायरीनों की गाड़ियों को मेले के अंदर प्रवेश देने की मांग की गई। थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने कहा कि मनोहरपुर से अपने वाहन लेकर आने वाले चालक या सवारी में अपनी आईडी आधार कार्ड दिखाकर अंदर प्रवेश ले सकेंगे। इससे पिछली बार मेले में पानी की व्यवस्था गड़बड़ा गई थी, जिससे जायरीनों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। नायब तहसीलदार अमित कुमार ने जलदाय विभाग से पानी की टैंकरों की सप्लाई की बात कही और बताया कि मनोहरपुर से आने वाले जायरीनों के डेरों के पास चार टैंकर 24 घंटे खड़े रहेंगे।

वही जमील खान चौहान ने लाइटों की सुचारू व्यवस्था करने की मांग की।

जिस पर सरपंच अमीर खान शेख पूर्व सरपंच फखरुद्दीन शेख अन्नू खान शेख व कमेटी के खादिम हाजी शकूर खान शेख हाजी फखरुद्दीन टिकाई सिराज खान ने कहा कि जायरीनों के डेरों के पास चार से पांच लाइटें लगा दी जाएंगी। इस अवसर पर सेकेट्री सुरेश कुमार मीणा जलदाय विभाग के इमामुद्दीन नाई उपसरपंच मुकेश कुमार सैनी चौकी इंचार्ज हेड कांस्टेबल सत्येंद्र कुमार कांस्टेबल गोकुल मीणा कांस्टेबल अमित कुमार पंचायत सहायक खेमचंद मीणा आदि मौजूद रहे।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने ली विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामलात मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को मंत्रालय भवन में दोनों विभागों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा की विभागीय अधिकारी अधिक से अधिक फील्ड विजिट कर योजनाओं के क्रियान्वयन का प्रभावी निरीक्षण करें एवं क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को चिन्हित कर त्वरित निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि सक्रियता से काम न करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

गिव अप अभियान से हो रही गरीब की सेवा —

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि प्रदेश में गत वर्ष नवंबर से संपन्न लोगों को खाद्य सब्सिडी छोड़ने के लिए प्रेरित करने हेतु गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में इस अभियान का व्यापक असर देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान के द्वारा अपात्र लोगों के खाद्य सब्सिडी छोड़ने से सरकार को जो अन्न की बचत होगी वह गरीब का निवाला बनेगा। इससे बड़ी गरीब की सेवा नहीं हो सकती। इस अभियान में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा की अधिकारी सप्ताह में न्यूनतम 3 दिन आवश्यक रूप से फील्ड में दौरा कर निःशुल्क राशन की दुकानों का निरीक्षण करें। वे राशन डीलरों से संवाद स्थापित कर गिव अप अभियान को ओर अधिक प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी दौरा कर तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजें तथा उच्च स्तर पर वास्तुस्थिति से अवगत करवाएं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उचित समन्वय स्थापित कर कार्य करें। वे निश्चित अवधि तय कर लक्ष्य निर्धारित करें तथा उन्हें प्राप्त करने हेतु सक्रियता से काम करें।

गवर्नमेंट अप्रूव्ड टेस्ट सेन्टर (जीएटीसी)के संबंध में दिए निर्देश —

गोदारा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में उपभोक्ताओं के हितों को सुरक्षित करने हेतु गवर्नमेंट अप्रूव्ड टेस्ट सेन्टर (जीएटीसी) खोले जाने हैं। उन्होंने कहा कि इन परीक्षण केंद्रों से वृहत स्तर पर रोजगार भी सृजित होगा। विभाग इसके संबंध में जल्द से जल्द प्रावधानों का निर्धारण कर इसके क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़े।

उल्लेखनीय है कि गवर्नमेंट अप्रूव्ड टेस्ट सेन्टर पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर उपयोग किए जाने वाले सभी प्रकार के माप और वजन के उपकरणों की जांच होगी। मशीनों और उपकरणों की जांच के बाद, परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर लाइसेंस और सर्टिफिकेशन दिया जाएगा।

राशन डीलरों की अनुकंपा नियुक्तियों के प्रकरणों का हो समयबद्ध रूप से प्रभावी निस्तारण —

गोदारा ने कहा कि प्रदेश में लंबित राशन डीलरों के अनुकंपा नियुक्तियों के प्रकरणों का समयबद्ध तरीके से एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा की इन लंबित आवेदनों की उचित जांच करवा कर अधिकारी जल्दी निर्णय ले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 500 नई निःशुल्क राशन की दुकान खोली जाने वाली है। इन दुकानों के आवंटन हेतु भी साक्षात्कारों का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ जल्द से जल्द करवाया जाए।

प्रदेश में अब तक हुई 5 लाख मैट्रिक टन गेहूं की खरीद —

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा 10 मार्च 2025 से राजस्थान कृषक समर्थन योजना के अंतर्गत अतिरिक्त बोनस राशि के साथ 2575 रुपए समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद शुरू की गई थी। आज दिनांक तक समर्थन मूल्य खरीद केंद्रों के माध्यम से लगभग 5 लाख मैट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य खाद्य आपूर्ति निगम लिमिटेड के रूप में विभाग के पास एक सक्षम निकाय विद्यमान है।

उन्होंने निगम के अधिकारियों को पारदर्शिता एवं दक्षता के साथ जिम्मेदारियों के निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया।

प्रदेशभर में दूरदराज के क्षेत्रों में खोले जाएंगे अन्नपूर्णा भंडार —

गोदारा ने कहा कि प्रदेश भर के दूरदराज के क्षेत्रों में अन्नपूर्णा भंडार खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन दुकानों में किफायती दर पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार सृजित होने के साथ-साथ आमजन को बचत भी होगी। उन्होंने अधिकारियों को अन्नपूर्णा भंडार खोलने हेतु उपयुक्त स्थानों को चिन्हित करने एवं आमजन की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादों की श्रेणियां निर्धारण करने हेतु दिशा निर्देश दिए।

आयुर्वेद कॉलेज और आयुष चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने गुरूवार को आयुर्वेद कॉलेज, जयपुर एवं राजकीय आयुष चिकित्सालय, प्रताप नगर का औचक निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और इनमें सुधार लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण में अस्पताल में रोगियों को औषधि वितरण में अव्यवस्था और साफ-सफाई की कमी मिली। पेयजल का वाटर कूलर खराब पाया गया तथा महाविद्यालय में विद्यार्थियों की कक्षा में शिक्षण कार्य में भी लापरवाही पाई गई, जिस पर उप मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद उप सचिव, सावन कुमार चायल को प्राचार्य एवं अन्य जिम्मेदार कार्मिकों के विरूद्ध तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने विगत दिनों आउटडोर में आए रोगियों से दूरभाष कर उनके स्वास्थ्य का फीडबैक लिया तथा सुनिश्चित किया कि उन्हें समुचित चिकित्सा सेवाऐं प्रदान की जा रही हैं।

बाबू हंसमुख को श्रद्धांजलि दी गई

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर नगर कै प्रबुद्ध जनों द्वारा आसपास साहित्य संस्थान के संयोजक स्व. बाबू हसमुख को एक सभा आयोजित कर श्रद्धांजली दी गई इस अवसर पर उनके द्वारा किए गए साहित्य एवं सामाजिक कार्यों को याद किया गया। दो मिनट के मौन बाद वक्ताओं ने बाबू हसमुख के जीवन और साहित्य पर विचार रखे ।

समाजसेवी और पार्षद रामेश्वर बुनकर ने उन्हे दलित चेतना का अग्रदूत बताया वही पूरण बुनकर ने उन्हें सहकारिता के लिए काम करने के लिए याद किया अजीज लोहानी ने उन्हे मजबूत कांग्रेस जन और समाजसेवी बताया वही कवि कमल मनोहर ने उन्हे अपना अभिभावक व साहित्य के क्षेत्र का भीष्म कहा आसपास साहित्य संस्थान के द्वारा उन्होंने मनोहरपुर में कई कविसम्मेलन आयोजित किए अब उनके उत्तराधिकारी के रूप में उनकी बिटिया कंचन वर्मा साहित्य सृजन कर रही है। इस अवसर पर उनकी हाल में आई कृति नजरबाग भेंट की गई।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

मोरखा ग्राम वासियों ने दिया पंचायत को यथावत रखने का ज्ञापन, प्रस्तुत की अपनी आपत्ति

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के आदेशानुसार पंचायतों का पुनर्गठन होना तय हुआ है, जिसमें ग्राम पंचायत मोरखा तहसील देसूरी को भंग करते हुये दुसरे अन्यत्र गांव सिन्दरली पंचायत में मर्ज करने का प्रस्ताव तैयार होने के फलस्वरूप बुधवार को मोरखा ग्रामवासी द्वारा जिला कलेक्टर एलएन मंत्री को ग्राम पंचायत मोरखा को पूर्व की भांती ग्राम पंचायत मुख्यालय बनाये रखे जाने के लिए ज्ञापन दिया गया।

मोरखा ग्राम वासियों ने बताया गया कि यदि ग्राम पंचायत मोरखा को अन्यत्र पंचायत में मर्ज किया जाता है तो मोरखा ग्राम वासियों को बहुत ही ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड सकता है। सिन्दरली मोरखा गांव से लगभग 4 किमी दूर पर है व बीच में नदी आती है। साथ ही ग्राम वासियों द्वारा बताया गया कि जब से राजस्थान में पंचायती राज की स्थापना हुई थी उस समय से ग्राम पंचायत मोरखा कायम है। वर्तमान में गांव की कुल आबादी लगभग 4500 के आस-पास है। वर्तमान में ग्राम पंचायत मुख्यालय मोरखा में सरकारी विद्यालय एवं एक निजी विद्यालय, दो आंगनवाडी केन्द्र, एक उप स्वास्थ्य केन्द्र भी है। ग्राम पंचायत मोरखा मुख्यालय में एक ग्राम सेवा सहकारी समिति भी है जो कि वर्तमान में 04 गांवों से जुड़ी हुई है जो कि तीन ग्राम पंचायतों को भी जोड़ कर रखती है। ग्राम पंचायत मोरखा में पटवार भवन एवं ग्राम पंचायत भवन भी बना हुआ है जो पूर्ण रूप से सुसज्जित है एवं गांव के लोगों को इसका लाभ प्राप्त हो रहा है। ज्ञापन प्रस्तुत करने में ग्राम मोरखा के किकाराम चौधरी, चिमन दास वैष्णव, मांगीलाल चौधरी पूर्व सरपंच, सरदार सिंह, मोहन चौधरी उपसरपंच, रघु देवासी, विजय चौधरी आदि के साथ ग्रामवासी उपस्थित रहे।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का लिया जायजा

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी द्वारा आज जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 102 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले।

निरीक्षण में सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इसके लिए प्राधिकरण सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया। जेल डिस्पेंसरी पर नियुक्त चिकित्सक द्वारा बताया गया कि दंतरोग विशेषज्ञ, मनोरोग विशेषज्ञ एवं चर्मरोग विशेषज्ञ प्रतिसप्ताह विजिट पर आते हैं तथा बंदियों की जांच करते है।

निरीक्षण में जिला कारागृह कारापाल जोराराम, चिकित्सक डिस्पेन्सरी जिला कारागृह डॉ रॉयमेन जोसेफ, जेल विजिटिंग लॉयर्स रवींद्र मेलनर्स, विधि विद्यार्थी ऋषिराज राजपुरोहित आदि उपस्थित रहे।

विद्या केवल सूचनाएं नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला होती है- प्रो. गोपीनाथ शर्मा

- जैविभा विश्वविद्यालय में प्रसार भाषण माला में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान

लाडनूं, (रॉयल पत्रिका)। संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के सेवानिवृत प्रोफेसर गोपीनाथ शर्मा ने कहा है कि भारतीय ज्ञान परंपरा में शैक्षिक परिदृश्य अत्यंत समृद्ध, व्यापक और बहुआयामी है। यह परंपरा न केवल आध्यात्मिकता और दर्शन तक सीमित रही, बल्कि गणित, विज्ञान, चिकित्सा, राजनीति, अर्थशास्त्र, संगीत, कला और भाषा के क्षेत्रों में भी अत्यंत गहन और व्यवस्थित ज्ञान प्रदान करती रही है। वे यहां जैन विश्वभारती संस्थान के शिक्षा विभाग में आयोजित प्रसार भाषणमाला में 'भारतीय ज्ञान परंपरा में शैक्षिक परिदृश्य' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्या केवल सूचना नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला सिखाती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी या जीविका नहीं होकर आत्मबोध, समाजसेवा और मानव कल्याण होना चाहिए। शिक्षा आत्म-नियंत्रण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना जगाने का माध्यम है। हमारा व्यवहार, आचरण एवं गुण हमारे व्यक्तित्व को परिलक्षित करते हैं। उन्होंने अनेक उदाहरणों द्वारा शिक्षा के ध्येय को समझाया। नैतिक व्यक्ति ही बन सकता है अच्छा नागरिक, अच्छा मित्र और एक अच्छा मानव

प्रसार भाषण माला में ही संजय टी.टी. कॉलेज जयपुर के सहायक आचार्य डॉ. भारती विजय ने 'नैतिकता और नैतिक मूल्य' विषय पर अपने विचारों में कहा कि नैतिकता सामाजिक नियमों का समन्वय है। गुरु और शिष्य के संबंध में श्रद्धा और विश्वास होता है, जो नैतिकता की नींव है। एक नैतिक व्यक्ति ही एक अच्छा नागरिक, अच्छा मित्र और एक अच्छा मानव बन सकता है। इसी कॉलेज की सहायक आचार्या डॉ. अंजना अग्रवाल ने 'वास्तविक दुनिया में परियोजना आधारित शिक्षा' विषय पर बोलते हुए कहा कि यह एक ऐसी शिक्षण विधि है, जिसमें छात्र किसी वास्तविक समस्या पर काम करते हैं, रिसर्च करते हैं, समाधान खोजते हैं और उसे प्रस्तुत करते हैं। बच्चे जब कुछ स्वयं कार्य करते हैं, तो आत्मबल बढ़ता है। इससे पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता जैन ने किया। कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खानपुर गांव व विद्यालय में 'हरित ग्राम कार्यक्रम' का आयोजन कर पर्यावरण चेतना जागृत की

लाडनूं,(रॉयल पत्रिका)। पर्यावरण संरक्षण, जल-संवर्धन, प्लास्टिक उन्मूलन और स्वच्छता के प्रति ग्रामीण समुदाय एवं विद्यार्थियों में जागरूकता फैलानने के लिए जैन विश्वभारती संस्थान के शिक्षा विभाग तथा अहिंसा एवं शांति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'हरित ग्राम कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गांव खानपुर और शहीद तेज सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खानपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की प्रतिनिधि डॉ. आभा सिंह ने कहा कि 'हरित ग्राम' केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सतत् सोच है, जिसमें पर्यावरण के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन की भावना होती है। उन्होंने ग्रामीणों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने, अधिक से अधिक पौधे लगाने और जल-संरक्षण को अपनी आदत बनाने का आह्वान किया। कुशाल जांगिड़ ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए बताया कि गांव की हर गली, हर घर अगर स्वच्छ, हरा-भरा और जागरूक होगा, तो वह एक आदर्श 'हरित ग्राम' कहलाएगा। उन्होंने दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने के सरल उपाय साझा किए। स्नेहा शर्मा ने विशेष रूप से महिलाओं और युवतियों से बात करते हुए उन्हें रसोई में जैविक अपशिष्ट का पृथक्करण, कम पानी से बर्तन धोना, कपड़े धोने में साबुन का संतुलित उपयोग आदि घरेलू स्तर पर पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के उपाय बताए। स्वयंसेविका खुशी जोधा ने भी ग्रामीण महिलाओं से संवाद कर उन्हें दैनिक जीवन में हरियाली बढ़ाने और कचरा प्रबंधन के बारे में बताया। अन्य स्वयंसेविकाओं ने गांव में घर-घर जाकर लोगों को 'हरित जीवन शैली' अपनाने के लिए प्रेरित किया और बुकलेट्स वितरित कीं, जिनमें जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरणीय कानून और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई थी।

खानपुर के शहीद तेज सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य विक्रम सिंह ने कार्यक्रम में कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के नीति-निर्माता होंगे। अगर अभी से उन्हें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाएंगे, तो आने वाली पीढ़ियां अधिक सुरक्षित जीवन जी सकेंगी। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम बच्चों में पर्यावरण के प्रति गहरी चेतना जगाने वाला है। कार्यक्रम में विद्यार्थी विमलेश कुमार, रामनिवास, योगेश सैन, गौतम सरस्वत, श्रीचंद्र मील, कुंवर सिंह, सुशीला, अश्विनी राठौड़ आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आमजन को मिल रही राहत जनसुनवाई में हुआ समाधान

-44 परिवाद प्राप्त, 9 मामलों का मौके पर ही निस्तारण

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार की जनहितैषी और पारदर्शी प्रशासन की नीति के अंतर्गत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन को त्वरित एवं प्रभावी राहत उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा अटल सेवा शिविर के तहत माह के तृतीय गुरुवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन डीओआईटी कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया।

जनसुनवाई की अध्यक्षता जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने की। इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, डीएसओ अनील चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान कुल 44 परिवाद प्राप्त हुए, वहीं नौ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। प्राप्त परिवादों में चिकित्सा विभाग से तीन, राजस्व विभाग से 12, पंचायतीराज से छह, सार्वजनिक निर्माण विभाग से एक, समाज कल्याण विभाग से एक, पुलिस विभाग से पांच, बैंक से तीन, सहायता से दो, वन विभाग से दो, रोड़वेज, सहकारिता, सीएडी, पीएचईडी, कॉलेज शिक्षा एवं नगर परिषद से एक-एक परिवाद प्राप्त हुए। साथ ही सतर्कता से जुड़े 26 प्रकरण भी शामिल रहे।

जिला कलक्टर तोमर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक परिवाद का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण की आवश्यकता पर बल दिया।

किसान की समस्या का मौके पर हुआ समाधान

जनसुनवाई के दौरान नाकोड़ा कॉलोनी, बारां निवासी किसान राकेश पुत्र चंद्र मोहन सोनी द्वारा भूमि नामांतरण से संबंधित समस्या प्रस्तुत की गई, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला कलक्टर ने मौके पर ही संबंधित तहसीलदार एवं पटवारी को निर्देश देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई।

जिला कलक्टर के प्रयासों से 24 घंटे में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मिली पहचान

-दिव्यांग बालक को भी मिला सहारा

बारां, 17 अप्रैल। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के संवेदनशील व त्वरित निर्णयों के चलते बारां जिले में ट्रांसजेंडर समुदाय को नई पहचान और सम्मान मिला है। जिले के निवासी अवनिश ऊर्फ अंजलि, आशुरज्जक ऊर्फ जानु तथा अंता निवासी करीना सहित कुल छह ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मात्र 24 घंटे में ट्रांसजेंडर प्रमाण-पत्र जारी किए गए। यह प्रमाण-पत्र उन्हें समाज में पहचान दिलाने के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होंगे। जिला कलक्टर ने बताया कि ट्रांसजेंडर प्रमाण-पत्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य बीमा कवर, ट्रांसजेंडर उत्थान कोष के तहत स्वरोजगार हेतु वित्तीय सहायता और शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति जैसी कई योजनाओं का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक शुभम नागर को निर्देशित किया कि वे ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष प्रयास करें तथा जिले के सभी पात्र ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करें।

इन पहलों से जिला प्रशासन ने न केवल माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2014 में ट्रांसजेंडरों के पक्ष में दिए गए ऐतिहासिक निर्णय, बल्कि उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के प्रावधानों को धरातल पर लागू कर मानवता और समानता की नई मिसाल पेश की है।

दिव्यांग बालक को मिला सहारा

इसी क्रम में मानपुरा निवासी 14 वर्षीय दिव्यांग बालक जितेंद्र बैरवा जब दैनिक जनसुनवाई में अपनी फरियाद लेकर जिला कलक्टर के समक्ष पहुंचा, तो जिला कलक्टर ने उसकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सहायक निदेशक शुभम नागर को निर्देशित कर बालक को व्हीलचेयर उपलब्ध करवाई। साथ ही, उसका यूडीआईडी कार्ड बनवाने हेतु ऑनलाइन आवेदन भी करवाया गया। इसके अतिरिक्त बालक को पालनहार योजना एवं पेंशन योजना से लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए गए।

केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से पोषण पखवाड़ा और बाल विवाह को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत गुरुवार को खेरदा गुर्जर मोहल्ला आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 6 चतुर्थ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पोषण पखवाड़ा और बाल विवाह को लेकर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई।

कार्यक्रम में ब्यूरो के नेमीचंद मीणा ने केंद्रीय संचार ब्यूरो की विभागीय गतिविधियों की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और पोषण पखवाड़ा की जानकारी दी। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक बबीता मीणा ने कहा कि शिशुओं के लिए उचित पोषण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। गर्भवती तथा धात्री माता को हरी सब्जी, फल, मोटा अनाज, दलिया, उचित पोषण से आने वाली संतान में कुपोषण और मृत्यु दर कम की जा सकती है।

वक्ता सतीश वर्मा ने जिले में अक्षय तृतीया और पीपल पूर्णिमा के अवसर पर होने वाले संभावित बाल विवाह को लेकर होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बाल विवाह रोकने के लिए महिलाओं को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर जोर दिया। नेहरू युवा केंद्र की निशा गौतम ने गर्भवती माता को मौसमी फल, हरी सब्जी, दूध, दही, चावल, अंकुरित दाल आदि खाने की सलाह दी। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राधा शर्मा, सुनैना कंवर, उर्मिला पहाड़िया, मोना सेन ने पोषण पखवाड़ा टीकाकरण स्वच्छता आदि पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस दौरान ब्यूरो की ओर से मौखिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। सभी उपस्थित महिलाओं को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलवाई गई।

जिला स्तरीय जनसुनवाई: जिला कलेक्टर ने किया आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप, जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। पारदर्शिता और समयबद्धता से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नियमित रूप से त्रिस्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में, गुरुवार को जिला कलेक्टर काना राम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने परिवादियों को बैठाकर उनकी समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अतिक्रमण, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास स्वीकृत करने, स्वीकृत खालों के निर्माण, रास्ते खुलवाने, बाराबंदी, गंदे पानी की निकासी जैसी समस्याओं के साथ-साथ राजस्व, विद्युत, जलदाय, शिक्षा और चिकित्सा विभागों से संबंधित कुल 72 परिवेदनाएं प्राप्त हुईं। परिवादी राजेंद्र ने अवैध नाकों को बंद करवाने का ज्ञापन सौंपा। वहीं कृषकों के समूह ने रीको द्वारा अवाप्त की गई भूमि को लेकर परिवाद सौंपा।

पूर्व प्रकरणों पर भी चर्चा

गत बैठकों में उठाए गए प्रकरणों पर भी समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिया कि समस्याओं का समाधान सभी पक्षों की बात सुनकर, मौका निरीक्षण कर और पूरी पारदर्शिता से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और मनोयोग से आमजन के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए।

शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए प्रशासन का सार्थक कदम

- खेरदा में हाउसहोल्ड सर्वे कर बच्चों को विद्यालय से जोड़ा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत जिले में शिक्षा से वंचित बालक-बालिकाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक दिनेश कुमार गुप्ता ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खेरदा के संस्था प्रधान कैलाश सिसोदिया एवं शिक्षक रमेश चंद के साथ आस-पास की कच्ची बस्तियों एवं झुग्गी-झोंपड़ियों में निवास करने वाले परिवारों का हाउसहोल्ड सर्वे किया।

सर्वे के दौरान शिक्षा अधिकारियों ने स्थानीय समुदाय को शिक्षा के महत्व की जानकारी दी और अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजें। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में सामान्य एवं विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाएं, छात्रवृत्तियाँ एवं अन्य लाभों से भी अवगत कराया।

सात बच्चों का नामांकन और एक दिव्यांग बालक का विशेष चिन्हिकरण:- कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीना ने जानकारी दी कि सर्वे के दौरान 7 अनामांकित एवं ड्रॉपआउट बच्चों पायल, जोया, अखिल, वसीम, आनंदी, तथा विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बालक आर्यन को चिन्हित कर उन्हें तत्काल राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खेरदा में आयुनुरूप कक्षाओं में प्रवेश दिया गया। इन सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया और निःशुल्क शिक्षण सामग्री भी वितरित की गई।

15 अप्रैल से शुरू हुआ प्रवेश उत्सव कार्यक्रम:- शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश उत्सव कार्यक्रम 15 अप्रैल से आरंभ हो चुका है। इस अभियान के तहत 3 से 18 वर्ष तक के समस्त बालकों को विद्यालयों में नामांकित कर उनका शत-प्रतिशत ठहराव सुनिश्चित किया जाएगा। शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे हाउसहोल्ड सर्वे के दौरान विद्यालय की उपलब्धियां, बोर्ड परीक्षा परिणाम, पूर्व विद्यार्थियों की सफलता की कहानियाँ तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के पंपलेट साथ लेकर जाएं। साथ ही कक्षा एक में प्रवेश योग्य विद्यार्थियों की सूचना आंगनबाड़ियों से प्राप्त कर उन्हें निकटतम विद्यालयों में अस्थायी प्रवेश प्रदान करने की कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षा विभाग का यह प्रयास शिक्षा के अधिकार को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो प्रदेश के प्रत्येक बालक-बालिका को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में मजबूत पहल साबित हो रहा है।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री आपके द्वार जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

-सूरवाल, अजनोटी, काडा खेजड़ा, लोरवाडा और सिनोली गांवों में जनसुनवाई कर सुने आमजन के परिवाद

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री आपके द्वार जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत जिले के सूरवाल, अजनोटी एवं लोरवाडा गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गम्भीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश प्रदान किए।

मंत्री ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से राजकीय विद्यालयों की भूमि व खेल मैदान पर हो रहे अतिक्रमणों की जानकारी प्राप्त लेकर निर्देशित किया कि अतिक्रमियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सूरवाल से मऊ तक निर्माणाधीन सड़क की स्थिति का निरीक्षण कर सार्वजनिक निर्माण विभाग को निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सूरवाल-भगवतगढ़ मार्ग पर हो रहे गड्ढों की स्थिति पर भी संज्ञान लेते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल सड़कों की मरम्मत कार्य शुरू करवाने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत अजनोटी में ग्रामीणों ने मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को पेयजल आपूर्ति की समस्या से अवगत कराया इस पर मंत्री ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विद्युत के ढीले तारों व विद्युत खम्भों की शिकायतों पर, संबंधित अधिकारियों को तारों को कसवाकर सुरक्षित करने और आवश्यकतानुसार विद्युत पोल लगवाने के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान ग्रामीण बत्ती लाल की भैंस की करंट से हुई मृत्यु होने की शिकायत पर विद्युत विभाग द्वारा 20 हजार रूपये की सहायता राशि दिलवाने का आश्वासन दिया।

योजनाओं की दी जानकारी:- इस दौरान ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी दास ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों को समाज कल्याण विभाग की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, विधवा पेंशन सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. मीना ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सतत रूप से कार्य कर रही है और इस प्रकार के जनसंपर्क अभियान से जनता और शासन के बीच संवाद को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा जनहित से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, उपखंड अधिकारी अनूप सिंह, सीएमएचओ डॉ. अनिल जैमिनी, विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा, तहसीलदार विनोद शर्मा, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग गोविंद सहाय, अधिशाषी अभियंता जेवीवीएनएल ए.के. बुजैठिया, पूर्व उप सभापति राजेश गोयल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक मीणा सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

मित्सु केम प्लास्ट का लक्ष्य: 2028 तक 1,000 करोड़ की कमाई!

मुंबई, एजेंसी। मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड (मित्सु) (बीएसई: 540078), जो ब्लो मोल्डेड और इंजेक्शन मोल्डेड उत्पादों के साथ-साथ अस्पताल फर्नीचर के कंपोनेंट्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर उत्पाद, पैकेजिंग बोतलें, ड्रम, जरीकैन, पेल और कैप्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी वैश्विक निर्माता है, ने आज अपने 35 वर्षों की उत्कृष्टता, विश्वास और नवाचार का जश्न मनाया। इस खास मौके पर कंपनी ने एक रणनीतिक योजना की घोषणा की है, जिसके तहत वह वित्त वर्ष 2028 तक 1,000 करोड़ की वार्षिक आय का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह लक्ष्य कंपनी की एफवाय24 की टॉपलाइन से तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है, जिसे अगले चार वर्षों में हासिल करने की योजना है।

1,000 करोड़ राजस्व तक पहुँचना (2028 तक): एफवाय24 के आंकड़ों को तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखते हुए, मित्सु 1,000 करोड़ के राजस्व की ओर तेज़ी से बढ़ेगा, जो एक नए युग की शुरुआत करेगा जिसमें बेजोड़ वृद्धि और बाज़ार में नेतृत्व की संभावना होगी।

हेल्थकेयर फर्नीचर में विस्तार

कंपनी अपने प्रसिद्ध फ़र्नास्ट्रा ब्रांड के तहत अस्पताल फर्नीचर विभाग का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी, जिसमें आधुनिक और डिज़ाइन-आधारित समाधान जोड़े जाएंगे, जो आधुनिक युग की जरूरतों को पूरा करेंगे।

पैकेजिंग उत्पाद वर्ग में विस्तार- कंपनी अपनी पैकेजिंग विभाग में महत्वपूर्ण विस्तार करेगी, जिसमें पैल्स, ब्लो मोल्डेड कंटेनर और विशेषीकृत कैप्स और क्लोज़र का विस्तार किया जाएगा।

वाहन ऐआई ने भोपाल के टॉप वाहन लीडर को भेंट की महिंद्रा थार

भोपाल। भारत वर्ष की रिक्रूटमेंट एजेंसियाँ को, विशेषकर छोटे शहरों और उभरते कस्बों में, कई अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं . सीमित संसाधन, प्रीमियम नौकरियों की मांग तक सीमित पहुँच, और बड़े शहरों में मौजूद बड़े प्लेयर्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा। ये बाधाएं एजेंसियों को ब्लू.कॉलर नियुक्तियों की विशाल संभावनाओं को तलाशने से रोकती हैं। वाहन ऐआई का ट्रांस्फोर्मेटिव वाहन लीडर्स प्लेटफ़ॉर्म (ड्रुरु

प्लेटफ़ॉर्म) इस स्थिति को बदल रहा है। यह छोटे शहरों में स्थित रिक्रूटमेंट एजेंसियों के लिए जबरदस्त विकास और प्रभाव के अवसर खोल रहा है, जिससे वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। वाहन लीडर प्लेटफ़ॉर्म के अंतर्गत ड्रुरुके साथ साझेदारी करने वाली रिक्रूटमेंट एजेंसियों ;जिन्हें वाहन लीडर्स कहा जाता है, ने बेहतरीन परिणामों का अनुभव किया है। उन्होंने अपने ग्राहक पोर्टफोलियो, क्षमता और भौगोलिक पहुंच में विस्तार कर रिवेन्य में 10 गुना तक की वृद्धि हासिल की है। इस प्लेटफ़ॉर्म के ऐआई सक्षम टूल्स से रिक्रूटर्स की उत्पादकता बढ़ती है, जिससे वे उच्च क्षमता वाले उम्मीदवारों की पहचान, ऑनबोर्डिंग ट्रैकिंग और इफेक्टिव कम्युनिकेशन प्रोसेस को बेहतर बना पाते हैं।

टूक पेश करते हैं अपनी गेमिंग सीरीज़ में बड्स क्रिस्टल डायनो

रु 999 की स्पेशल लॉन्च कीमत पर उपलब्ध

● क्रिस्टल डायनो 21 अप्रैल से एमज़ॉन डॉट इन, फ्लिपकार्ट और टूक डॉट इन पर उपलब्ध होगा ● उपभोक्ता सेल के दिन केवल दो घण्टे के लिए इसे रु 799 की विशेष कीमत पर खरीद सकते हैं, जिसके बाद इसकी कीमत रु.999 होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आधुनिक टेक्नोलॉजी के लिए विख्यात भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते ऑडियो ब्राण्ड्स में से एक टूक ने भारतीय मार्केट के लिए अपनी नई गेमिंग सीरीज़ के लॉन्च की घोषणा की है। बड्स क्रिस्टल डायनो स्लीक चार्जिंग केस, प्रीमियम लैदर फिनिश के साथ भव्य एवं टिकाउ है तथा स्टोरेज एवं चार्जिंग के लिए स्टाइलिश और व्यवहारिक भी है। नया बड्स क्रिस्टल डायनो 21 अप्रैल से एमज़ॉन डॉट इन, फ्लिपकार्ट और टूक डॉट इन पर रु 1099 की कीमत पर खरीद के लिए उपलब्ध होगा। हालंकि शुरूआती उपभोक्ता मात्र रु 799 की स्पेशल कीमत पर इसे खरीद सकते हैं, यह ऑफर मात्र 2 घण्टे के लिए वैलिड होगा, जिसके बाद इसकी कीमत रु 999 होगी।

तीन आकर्षक रंगों; रैवन ब्लैक, ओक ब्राउन एवं आर्कटिक ब्लू में उपलब्ध बड्स क्रिस्टल डायनो 'मेड इन इंडिया' की अभिव्यक्ति करता है, तथा अपनी शानदार गुणवत्ता के साथ स्थानीय टेक निर्माण को समर्थन प्रदान करता है।

लॉन्च के अवसर पर पंकज उपाध्याय, संस्थापक एवं सीईओ, टूक ने कहा, ''गेमिंग उद्योग लगातार दो अंकों की सालाना दर से विकसित हो रहा है, इसके बावजूद देश के कई टियर 2 और टियर 3 शहरों में प्रीमियम गेमिंग गियर सुलभ नहीं हैं। अपनी नई पेशकश बड्स क्रिस्टल डायनो के साथ हम उच्च गुणवत्ता के बजट अनुकूल ऑडियो समाधान के माध्यम से इस कमी को दूर कर युवा गेमर्स की ज़रूरतों को पूरा करना चाहते हैं। एक ऑडियो ब्राण्ड के रूप में हम गेमर्स की बदलती ज़रूरतों को समझते हैं और उन्हें साउण्ड का ऐसा उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो लुक्स एवं दाम के साथ किसी तरह का समझौता किए बिना गेमप्ले का शानदार अनुभव प्रदान करे। हमें विश्वास है कि यह लॉन्च देश भर के गेमर्स की उम्मीदों पर खरा उतरेगा, उन्हें उचित कीमत पर बेहतरीन परफोर्मेन्स देगा।

रीयलमी ने भारत में एआईओटी उपकरणों का विनिर्माण करने के लिए ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ साझीदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवाओं के बीच सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रीयलमी ने भारत के विनिर्माण पारितंत्र को मजबूत करने और सरकार की मेक इन इंडिया पहल में सहयोग करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत में अपनी अगली पीढ़ी के एआईओटी उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ओईएल) के साथ साझीदारी की है। घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के अपने दीर्घकालीन विजन के तहत रीयलमी ने ईयरफोन, स्मार्टवाचेज़ और टैबलेट्स सहित अपने एआईओटी उत्पाद का संपूर्ण पोर्टफोलियो भारत में तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इस साल की शुरुआत से रीयलमी बड्स टी200 सीरीज़, रीयलमी बड्स वायरेल सीरीज़ और रीयलमी बड्स एयर सीरीज़ जैसे उत्पाद स्थानीय उत्पादन लाइनों में तैयार होने लगेंगे। इसके समानांतर, रीयलमी पीसीबीए, बैटरियां, मैकेनिक्स, केबल्स और चार्जर जैसे ज्यादातर महत्वपूर्ण पुर्जे भारत के भीतर प्राप्त करने के प्रयास भी बढ़ा रही है। भारतीय उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतें पूरी करने के अलावा, रीयलमी भारत में बने एआईओटी उत्पादों को वैश्विक बाजारों को निर्यात करने की भी संभावना तलाश रही है ।

सिग्निफाई ने हर गाँव रोशन सीएसआर प्रोजेक्ट के अंतर्गत बहराईच

● उत्तर प्रदेश के 300 से अधिक वन्य गाँवों को रोशन किया

मुंबई, एजेंसी। लाईटिंग के क्षेत्र में विश्व की प्रमुख कंपनी, सिग्निफाई ने अपने हर गाँव रोशन सीएसआर प्रोजेक्ट के अंतर्गत मानव-वन्यजीव टकराव वाले वन्य क्षेत्रों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से बहराईच में रोशनी की व्यवस्था की है। रोशनी की यह व्यवस्था स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार लाने तथा मानव वन्यजीवों का टकराव रोकने के लिए की गई है। इन एनर्जी एफिशिएंट लाईट्स के लग जाने के बाद गांव के लोग रात में भी आसानी से घूम सकते हैं, जिससे उनकी आजीविका बेहतर हुई है तथा खासकर शाम की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों की शिक्षा में भी सुधार हुआ है। समुदायों को सस्टेनेबल लाइटिंग समाधान प्रदान करके इस अभियान ने एक उज्ज्वल भविष्य का रास्ता तैयार किया है, जो उत्तर प्रदेश के मध्य स्थित इस ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षा, अवसर, और प्रगति लेकर आएगा। यह प्रोजेक्ट एनजीओ, फिनिश सोसायटी के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसके तहत 300 वन्य गाँवों में 5000 से अधिक उच्च क्वालिटी की एलईडी और सोलर स्ट्रीट लाईट्स लगाई जा रही हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में कतरनियाघाट वन्यजीव मंडल, बहराईच के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ)] श्री बी. शिव शंकर मौजूद थे। इसके अलावा, कार्यक्रम में वन और वन्यजीव संरक्षण पर बने नारों के साथ एक कैलेंडर भी लॉन्च किया गया।

विकास के चार स्तंभ

1.ऑपरेशनल उत्कृष्टता – मित्सु अपने निर्माण प्रक्रियाओं को परिष्कृत करके, अपव्यय को कम करके, और गति और गुणवत्ता में सुधार करके एक ऐसा संचालन मॉडल तैयार कर रहा है जो दक्षता और निरंतरता दोनों को बढ़ावा देता है।

2.डेटा-आधारित विपणन- लक्षित और अभिनव अभियानों के माध्यम से अंतर्दृष्टियों का उपयोग करते हुए, कंपनी ग्राहकों के साथ जुड़ाव को सुदृढ़ करने और घरेलू और वैश्विक बाजारों में स्थायी ब्रांड वफादारी को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

वैज्ञानिक नवाचार- मजबूत अनुसंधान और विकास और सूक्ष्म बाजार विश्लेषण के साथ, मित्सु नए-नए उत्पादों को पेश करेगा जो स्वास्थ्य देखभाल की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करेंगे और स्पष्ट आर्थिक लाभ प्रदान करेंगे।

समर्थित टीमें- प्रमुख प्रतिभाओं में निवेश करते हुए और आपसी सहयोग और उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए, कंपनी एक ऐसी कार्यबल बना रही है जो तेज़ी से और मापनीय विकास के लिए तैयार है।

फर्नास्ट्रा: हेल्थकेयर फर्नीचर में क्रांति – फर्नास्ट्रा के तहत, मित्सु हेल्थकेयर फर्नीचर को न केवल दृष्टिगत रूप से आकर्षक बल्कि टिकाऊ और चिकित्सा उत्कृष्टता के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह विशेष विभाग कंपनी की निरंतर नवाचार की खोज और उभरते बाजारों में ठोस मूल्य प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मित्सु का साहसिक दृष्टिकोण सात मूल्यों पर आधारित है, जो इसके संचालन के हर पहलू को मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। कंपनी कर्मचारियों की भलाई को एक सहायक और विकास-उन्मुख संस्कृति के माध्यम से पोषित करती है और स्थिरता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखती है।

फोनपे सर्कल के साथ लाइव हुआ

यूजर को पेमेंट सर्कल बनाने और भरोसेमंद कॉन्टैक्ट के लिए ट्रांजेक्शन को ऑथराइज करने में सक्षम बनाता है

मुंबई, एजेंसी। फोनपे ने अपने ऐप पर सर्कल लांच करने की घोषणा की है, जिससे इसके यूजर एक सर्कल बना सकेंगे और अपने परिवार, मित्रों या भरोसेमंद कॉन्टैक्ट की ओर से पेमेंट कर सकेंगे। सर्कल यूजर किसी लिंक्ड बैंक अकाउंट के बिना अपना आईडी बना सकते हैं, जिससे डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच वाले लोगों के लिए एक सुरक्षित ऑनलाइन पेमेंट समाधान उपलब्ध हो जाता है। फोनपे पर सर्कल के साथ, खाताधारक (प्राइमरी यूजर), आईडी या क्यूआरकोड का उपयोग करके अपने परिवार/भरोसेमंद व्यक्तियों (सेकेंडरी यूजर) को अपने सर्कल में जोड़ सकते हैं और कहीं से भी उनके लिए पेमेंट को आसानी से ऑथराइज कर सकते हैं। प्राइमरी यूजर के पास इस सर्कल के उपयोग का पूरा नियंत्रण होता है, जिसमें पेमेंट अनुरोधों को रिव्यु करना, सेकेंडरी यूजर के खर्चों पर नज़र रखना, प्रत्येक सर्कल में पूरी पेमेंट डिटेल्स रिकॉर्ड तक सुरक्षित एक्सेस प्राप्त करना और जरुरत के अनुसार अपने सर्कल से एक्सेस को डीलिंक करना भी शामिल है। इस फीचर के सिक्योरिटी प्रोटोकॉल और फोनपे ऐप में आसान इंटीग्रेशन, सभी यूजर के लिए सुरक्षित, भरोसेमंद और बेहतर पेमेंट अनुभव सुनिश्चित करता है, जिससे अंत में फोनपे यूजर और उनके भरोसेमंद

कनेक्शनों के लिए रोजमर्रा के ट्रांजेक्शन आसान हो जाते हैं। फीचर के लॉन्च पर बोलते हुए, फोनपे के कंज्यूमर पेमेंट की चीफ बिज़नेस ऑफिसर, सोनिका चंद्रा जी का कहना हैं, कि सर्कल उन लोगों के लिए डिजिटल पेमेंट की आसानी और सुविधा को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिनके पास बैंकिंग की सुविधाएँ कम है और जो इस डिजिटल पेमेंट जगत में नए हैं। यह फीचर तब काम आता है जब कोई माता-पता कॉलेज में पढ़ रहे अपने बच्चों को पैसे भेजते हैं, जब कोई बुजुर्ग माता-पिता के लिए पेमेंट अप्रूव करता है, या कोई बिज़ी व्यक्ति अपने घर के काम दूसरों को सौंपना चाहता है।

एनएसडीसी इंटरनेशनल ने जर्मनी के साथ अपनी कौशल विकास साझेदारी को बनाया मजबूत

नई दिल्ली/ हैम्बर्ग, एजेंसी। एनएसडीसी इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों ने जर्मनी का दौरा किया और विभिन्न हितधारकों के साथ सामरिक एवं सीमापार कौशल साझेदारियों पर विचार-विमर्श किया, ताकि विश्वस्तरीय कार्यबल को उद्योग जगत की बदलती ज़रूरतों के अनुसार प्रासंगिक एवं भविष्य के अनुकूल क्षमताओं के साथ सशक्त बनाया जा सके।

प्रतिनिधियों ने हैम्बर्ग, जर्मनी में आयोजित प्रतिष्ठित ओएवी सम्मेलन में भी हिस्सा लिया, जहां भारत, श्रीलंका, भूटान, मलेशिया, इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों से 100 प्रतिनिधि एक मंच पर इकट्ठा हुए। इन प्रतिनिधियों ने कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार एवं विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों की भूमिका पर विचार प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी एनएसडीसी इंटरनेशनल ने तेज़ी से विकसित होते उद्योगों और दुनिया भर के जॉब मार्केट्स की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए नए दौर के कौशल को बढ़ावा देने के महत्व पर ज़ोर दिया। उच्च स्तरीय पैनल चर्चा के दौरान एनएसडीसी ने उद्योग जगत की ज़रूरतों

तथा एशिया के शिक्षा प्रदाताओं के बीच मौजूद अंतर को दूर करने पर रोशनी डाली। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यबल के विकास में विशेष रूप से जर्मनी की लीडरशिप पर ज़ोर दिया गया। साथ ही तेज़ी से विकसित होते उद्योग जगत में युवाओं को भविष्य के अनुसार सशक्त बनाने के लिए सामरिक एवं सीमा-पार कौशल साझेदारियों की आवश्यकता पर रोशनी डाली गई।

एनएसडीसी इंटरनेशनल के सीईओ श्री आलोक कुमार ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा, ''हम विश्वस्तरीय कार्यबल की बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में कार्यरत हैं, इसी के मद्देनज़र एनएसडीसी इंटरनेशनल कौशल की खामियों को दूर करने और युवाओं को रोज़गार में सक्षम बनाने के लिए साझेदारियों को बढ़ावा दे रहा है। जर्मन उद्योगों के साथ साझेदारियां हमारी इसी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं, जिसके द्वारा हम कार्यबल की कमी को दूर कर भारतीय युवाओं को विश्वस्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सक्षम बनाना चाहते हैं।

उद्योग जगत की ज़रूरतों के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान कर हम सुनिश्चित करते हैं कि हमारे युवा विश्वस्तरीय जॉब मार्केट के अनुसार अपने आप को आसानी से ढाल सकें। इसी दृष्टिकोण के साथ हमारी यह साझेदारी आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाकर स्थायी विकास को बढ़ावा देगी तथा दूरदर्शी साबित होगी।'' एनएसडीसी इंटरनेशनल भारतीय उम्मीदवारों को इंटरनेशनल करियर के लिए तैयार कर ग्लोबल मोबिलिटी में सक्षम बनाता है। इसके लिए हम युवाओं को जर्मन एवं अन्य विदेशी भाषाओं में व्यापक प्रशिक्षण, डोमेन-विशिष्ट कौशल एवं सांस्कृतिक ओरिएंटेशन प्रदान करते हैं। ये प्रोग्राम इस तरह से डिज़ाइन किए गए हैं कि उम्मीदवार न सिर्फ पेशेवर बल्कि सामाजिक रूप से भी सक्षम बनें, वे आत्मविश्वास के साथ दूसरे देश के माहौल में अपने आप को ढाल सकें।

भरोसे और सुरक्षा के प्रतीक गोदरेज के बीआईएस और आईएसओ प्रमाणित सेफ़्स

विश्वसनीयता, तकनीक और मानकों का समन्वय, एक सुरक्षित और जागरूक बाज़ार की ओर बढ़ता कदम

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स बिज़नेस उपभोक्ताओं को प्रमाणित और अत्याधुनिक सुरक्षा समाधान उपलब्ध कराते हुए उन्हें सशक्त बना रहा है। बदलते समय में जहां सुरक्षा की ज़रूरतें तेजी से विकसित हो रही हैं, वहीं उपभोक्ताओं का भरोसा और उत्पादों की विश्वसनीयता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) और आईएसओ जैसे सख्त गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरते हुए, गोदरेज उद्योग जगत में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और भरोसेमंद सुरक्षा उपकरणों की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रमाणित सुरक्षा उत्पाद न सिर्फ उपभोक्ता की रक्षा करते हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने की सुविधा भी देते हैं।

गोदरेज सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स बिज़नेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं व्यवसाय प्रमुख, श्री पुष्कर गोखले ने उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाणन की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, वर्तमान समय में, जब सुरक्षा को लेकर चुनौतियां बढ़ रही हैं, यह आवश्यक हो गया है कि उपभोक्ताओं को केवल प्रमाणित, भरोसेमंद और उच्च गुणवत्ता वाले समाधान ही मिलें। बीआईएस और आईएसओ जैसे प्रमाणपत्र इस दिशा में हमारी गुणवत्ता और पारदर्शिता की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करते हैं। उन्होंने कहा, सरकार द्वारा लागू क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर जिसके तहत केवल प्रमाणित सेफ़्स की बिक्री की अनुमति है, एक अत्यंत सराहनीय पहल है।

अनूठे अनुभव की संभावना तलाश रहे भारतीय यात्री- अमेरिकन एक्सप्रेस 2025 ग्लोबल ट्रैवेल ट्रेंड्स रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकन एक्सप्रेस ने 2025 ग्लोबल ट्रैवेल ट्रेंड्स रिपोर्ट जारी की है जिसमें यह खुलासा हुआ है कि भारतीय यात्री किस तरह से सोच समझकर यात्रा की योजना बना रहे हैं। इसमें स्थानीय और हाथ से बने सामानों की खरीदारी से लेकर लग्जरी वस्तुओं की खरीद के लिए विशेष यात्रा की तैयारी या कंसर्ट्स एवं खेल आयोजनों में शामिल होने की योजना शामिल है। इस रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि भारतीय यात्री 2025 में अनूठे अनुभवों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प इंडिया के सीईओ और कंट्री मैनेजर संजय खन्ना ने कहा, भारतीय पहले से कहीं अधिक जागरूक हैं और अपनी यात्रा के दौरान समग्र अनुभव चाहते हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस में हम हमारे कार्डधारकों की पसंद समझते हैं और यात्रा, खानपान, खरीदारी और मनोरंजन, उनकी यात्रा के प्रत्येक पहलू को ध्यान में रखकर उन्हें लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस 2025 ग्लोबल ट्रैवेल ट्रेंड्स रिपोर्ट में प्रमुख रुख इस प्रकार हैं- भारतीय यात्री अनूठे अनुभवों और खरीदारी को प्राथमिकता दे रहे हैं 92 प्रतिशत भारतीय यात्रा के दौरान अपनी तरह की अनूठी यादगार वस्तु खरीदना चाहते हैं । 84 प्रतिशत भारतीयों का कहना है कि नए स्थान पर जाते समय स्थानीय छोटे दुकानदारों का सहयोग करना उनके लिए महत्वपूर्ण है। 81 प्रतिशत भारतीय अपनी अगली यात्रा पर उच्च गुणवत्ता की स्थानीय वस्तुएं जैसे कॉफी बीन्स, पर्सियन रग्स, इटैलियन लेदर आदि खरीदने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बाणगंगा पेपर मिल्स को एमपीसीबी से मिला नवीकृत पर्यावरण प्रमाणपत्र!

नासिक, एजेंसी। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई - 512025), (पूर्व में इनर्शिया स्टील लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध), जो कि उच्च गुणवत्ता वाले क्राफ्ट पेपर के प्रमुख निर्माता और आपूर्तिकर्ता हैं, को उनकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बाणगंगा पेपर मिल्स के माध्यम से महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से नवीकृत पर्यावरण स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणपत्र कंपनी की क्राफ्ट पेपर यूनिट को 31 मार्च 2029 तक संचालित करने की अनुमति देता है। यह नवीनीकरण यह सुनिश्चित करता है कि कंपनी जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत आवश्यक नियमों का पूरी तरह पालन कर रही है। इस मान्यता के माध्यम से कंपनी ने एक बार फिर अपने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सतत उत्पादन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाया है।

आरडीएफ (रिफ्यूज़-डेराइव्ड फ्यूल): यह संयंत्र आरडीएफ का उपयोग करता है – एक वैकल्पिक ईंधन जो गैर-रिसायकल कचरे से तैयार किया जाता है – अपने 12 टीपीएच बॉयलर में, कोयले और कृषि अपशिष्ट के साथ मिलाकर। इस नवाचारपूर्ण कदम से पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता घटती है और साथ ही कचरे का प्रबंधन भी प्रभावी ढंग से होता है। परिणामस्वरूप, उत्सर्जन में कमी आती है और ऊर्जा दक्षता में सुधार होता है। यह न सिर्फ एक पर्यावरण हितैषी पहल है, बल्कि कचरे को ऊर्जा में बदलने की दिशा में एक स्मार्ट समाधान भी है।

जल संरक्षण की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाते हुए बाणगंगा पेपर मिल्स ने एक अत्याधुनिक एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया है, जो औद्योगिक अपशिष्ट जल को पूरी तरह से शुद्ध करने में सक्षम है। इस प्रक्रिया में उपचारित जल को पूरी तरह से उत्पादन प्रक्रिया में दोबारा उपयोग में लाया जाता है, जिससे फैक्ट्री परिसर के बाहर एक बूंद भी अपशिष्ट जल नहीं छोड़ा जाता। यह सख्त जल पुनर्चक्रण प्रणाली न केवल पानी की बचत करती है, बल्कि जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में पर्यावरण की रक्षा में भी अहम भूमिका निभाती है।

इन मुस्लिम अभिनेत्रियों ने

हिंदू नाम रखकर कमाई खूब शोहरत

बॉलीवुड में कई ऐसी अभिनेत्रियां हुईं, जिन्होंने अपनी अदाकारी और खूबसूरती से लोगों को दीवाना बना दिया। उनके अभिनय की लोग आज भी सराहना करते हैं। हम बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों को बारे में जानेंगे, जिनके नाम को सुनकर लगता है कि वो हिंदू है, लेकिन हकीकत में वह मुस्लिम हैं। इन सभी ने अपना नाम बदलकर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई और खूब नाम कमाया।

तब्बू

अभिनेत्री तब्बू ने बॉलीवुड ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी खूबसूरती और एक्टिंग के लाखों दीवाने हैं। उन्होंने कई हिट और सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री का असली नाम तबस्सुम फातिमा है।

रीना रॉय

80 के दशक की अभिनेत्री रीना रॉय ने अपनी अदाकारी से बहुतों को प्रभावित किया है। उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। अभिनेत्री ने का असली नाम सायरा अली है।

मीना कुमारी

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। 'ट्रेजडी क्वीन' के नाम से मशहूर अभिनेत्री को भारत की सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक माना जाता हैं। उनकी अदाकारी और खूबसूरती का आज भी लोग तारीफ करते हैं। अभिनेत्री का असली नाम मीना कुमारी नहीं, बल्कि 'महजबीं बानो' था। अपने 33 साल के करियर में उन्होंने 90 से ज्यादा फिल्में की हैं।

मधुबाला

मधुबाला के अभिनय कौशल और सुंदरता की प्रशंसा करते हुए आज भी लोग नहीं थकते। उन्होंने भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान दिया है। वह अपने दौर की सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। मधुबाला का असली नाम मुमताज जहां बेगम देहलवी था। हालांकि, लंबे समय तक उनके प्रशंसक उन्हें नाम की वजह से हिंदू ही समझते रहे हैं।

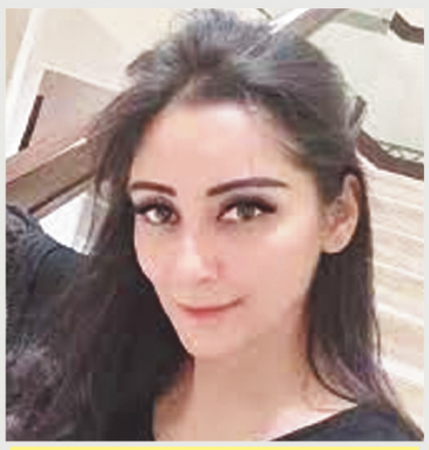

मान्यता दत्त

संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त का नाम भी इस सूची में शामिल है। संजय दत्त से शादी करने से पहले वह फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मान्यता का असली नाम दिलनवाज शेख है।

नुसरत ने साझा किया 'छोरी' के सेट का डरावना अनुभव

अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने हाल ही में अपनी फिल्म 'छोरी 2' को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इस्राइल से जुड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने पीएम मोदी से अपनी हालिया मुलाकात पर भी चर्चा की और उनसे मिलने के अनुभव के बारे में बताया।

जीवन के अनुभवों का किरदार के लिए करती हैं इस्तेमाल

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या छोरी 2 के किरदार का दर्द अपने अंदर लाने के लिए उन्होंने इस्राइल में हुई घटना की मदद ली? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'हर कैरेक्टर और कहानी अलग होती है। सभी के लिए कुछ न कुछ रेफरेंस की जरूरत होती है। हां जब मुझे एक्सट्रीम इमोशन दिखाना होता है या एक्ट करना हो तो मैं अपने जीवन के अनुभवों को यूज करती हूं। हालांकि, 'छोरी' और छोरी 2 की शूटिंग मेरे साथ इस्राइल में हुई घटना से पहले ही शूट हो चुकी थी। ऐसे में इस फिल्म में रेफरेंस के तौर पर मैंने अपनी पिछली जिंदगी से कुछ चीजें यूज की थी।

पीएम मोदी से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात

2023 में जब नुसरत इस्राइल में फंस गई थी तब उन्होंने पीएम से उन्हें वहां से निकालने की गुहार लगाई थी। अभिनेत्री ने अब हाल ही में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'यह बहुत ही दिलचस्प रहा। मैं हाल ही में उनसे दिल्ली में मिली। आपको बता नहीं सकती कि ये कैसा अनुभव था। हमने उन्हें मंच पर देखा है, स्क्रीन पर देखा है और भाषण देते हुए देखा है। मैं जब उनसे मिली तो यह बहुत ही सहज रहा। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं उनसे मिली और उन्हें धन्यवाद कहा। वह हमारे लिए प्रेरणा हैं। मैंने उनका समिट भी देखा है। हम कहां और कौन से नंबर पर थे और कौन से नंबर पर आ गए हैं और हमें वह कहां ले जाना चाहते हैं। उनका विजन बहुत इंस्पायर करने वाला है।'

आदर्श ने शनाया कपूर की तारीफ की

आदर्श गौरव और शनाया कपूर जल्द ही तू या मैं फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। ऐसे में आदर्श गौरव ने शनाया कपूर की खूब तारीफ की है। हाल ही में तू या मैं फिल्म का एलान हुआ तो दोनों को एक वीडियो में साथ में देखा गया था। बिजॉय नांबियार की फिल्म तू या मैं रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। एलान के बाद से फिल्म चर्चा में है।

हाल ही में आदर्श गौरव ने शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा वह बहुत सहज और शांत हैं। हम इस बात पर मजाक कर रहे थे कि पानी कितना गर्म लग रहा है, हालांकि हम शूटिंग के दौरान कांप रहे थे। शूटिंग के दौरान चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच दोनों के बीच का रिश्ता काफी अच्छा और सहयोगात्मक था।

शनाया के साथ काम करना चाहेंगे आदर्श गौरव

आदर्श के मुताबिक उनके लिए कोई भी सीनियर या जूनियर नहीं है। मैंने उनके साथ सिर्फ तभी काम किया जब फिल्म का ऐलान हुआ। मैंने उनके साथ वीडियो शूट में काम किया, और यह अच्छा अनुभव था। उनके साथ काम करना अच्छा रहा। उनके साथ काम करने के लिए मैं उत्साहित हूं। आदर्श की बातों से लगता है कि सुर्खियों में आने के बाद शनाया लोगों पर अच्छा प्रभाव डाल रही हैं।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि तू या मैं फिल्म बॉलीवुड की हिंदी फिल्म है। इसका निर्देशन बिजॉय नांबियार कर रहे हैं। फिल्म में शनाया कपूर और आदर्श गौरव हैं। ये फिल्म साल 2026 में वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म की कहानी सोशल मीडिया के लिए कंटेंट क्रिएट करने वालों पर आधारित है। वह मुंबई के आस-पास के इलाके में जाते हैं लेकिन वहां फंस जाते हैं।

शनाया कपूर के पास हैं कई प्रोजेक्ट

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर इन दिनों आंखों की गुस्ताखियां में काम कर रही हैं। वह जल्द ही स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आने वाली हैं। यही नहीं शनाया कपूर साउथ की फिल्मों में भी नजर आएंगी। वह मोहनलाल की फिल्म वृषभ से जुड़ी हैं।

सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात में पाया गया, निकला मानसिक रोगी

अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी निकला है। पुलिस के अनुसार धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है और उसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज निकाला है।

पुलिस ने बताया कि वडोदरा के वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, जिसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को भी बम से उड़ाने की बात कही थी। अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और अभिनेता के गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

प्रियंका चाहर ने अंकित गुप्ता के साथ ब्रेकअप पर की बात

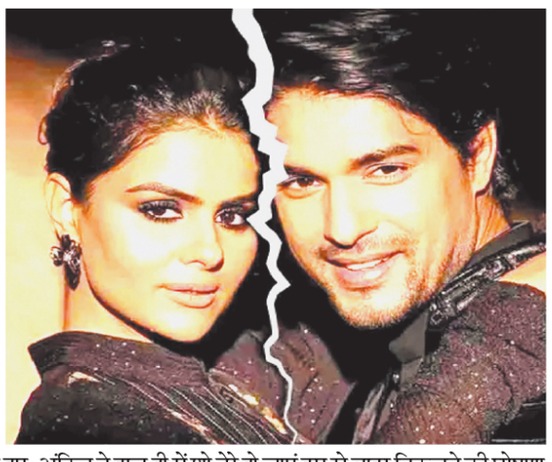

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में नियारा इंडिया के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट में वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखीं, उन्होंने एक शानदार ब्लैक ड्रेस पहनी थी। फैशन में हुए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि उनके अनुसार, चाहे रिश्तों की बात हो या फैशन की, विकास करना हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विकास करना हमेशा अच्छा होता है, बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। बदलाव के लिए आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए, निश्चित रूप से बदलाव अच्छी बात है, चाहे रिश्तों में बदलाव हो या फैशन में बदलाव हो। अभिनेता अंकित गुप्ता के साथ उनके ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह बयान आया है। अटकलबाजी को और हवा देते हुए, अंकित ने हाल ही में शो तेरे हो जाएं हम से बाहर निकलने की घोषणा की। इस शो में वह मुख्य भूमिका में हैं। प्रियंका और अंकित पहली बार शो उड़ारियां में साथ नजर आए थे और प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। बाद में ये दोनों लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 16 में एक साथ दिखाई दिए, जहां वह अभूतपूर्व परिस्थितियों में एक-दूसरे का समर्थन करते नजर आए। शो से बाहर निकलने के बाद, उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। इंस्टाग्राम पर प्रियंका और अंकित द्वारा एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें शुरू हो गईं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए प्रियंका ने बातचीत में अंकित के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बताया था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे थे। प्रियंका ने कहा था, मुझे लगता है कि हम बहुत सच्चे हैं। मुझे लगता है कि यही एक खासियत है, जिसकी वजह से हम एक-दूसरे से जुड़े हैं। हम बहुत सामान्य हैं। हमें दिखावा करना नहीं आता, शायद यही बात हमें जोड़े रखती है। प्रियंका ने कहा, हम दोनों में कोई सेलिब्रिटी वाइब नहीं है, हम दोनों में ऐसा नहीं है कि हम बहुत सामान्य हैं और यही हमें जोड़े रखता है। यही कुछऐसा है जो हमें उन लोगों से जोड़े रखता है जो हमसे प्यार करते हैं।

मुझे गर्व है कि मैं वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं: ईशा मालवीय

फिल्म के साथ टेलीविजन और म्यूजिक वीडियो के लिए काम करने वाली अभिनेत्री ईशा मालवीय हर भूमिका को जुनून के साथ निभाती हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि स्क्रीन पर कोई भी किरदार निभाने में उन्हें खुशी मिलती है। ईशा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह वर्सेटाइल अभिनेत्री हैं। इस बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें काम के दौरान क्या मुश्किल लगता है, खुद से बिल्कुल अलग किरदार निभाना या अभिनेत्री से मिलता-जुलता किरदार निभाना, ईशा ने बताया, मुझे काम से एक अलग तरह की खुशी मिलती है और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं एक वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं, जो कोई भी भूमिका निभा सकती है। मालवीय ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, किसी भी किरदार को निभाते समय मेरे मन में कभी दूसरे विचार नहीं आए। मैं बस काम पर फोकस करती हूं। 21 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में उनसे बेहतर काम की अपेक्षाएं की जाती है। हालांकि, यह उनके लिए अच्छा है और वह इससे दबाव महसूस नहीं करती हैं। .उन्होंने कहा, मैं काम को लेकर खुद पर प्रेशर नहीं लेती क्योंकि मेरा मानना है कि हम सभी को खुश नहीं कर सकते। इसलिए दूसरों के सामने कुछ साबित करने के लिए काम करना मेरा तरीका नहीं है। मैं अपने लिए काम करती हूं। मेरे लिए, एक स्पष्ट लक्ष्य होना बहुत जरूरी है। इसके बिना, कोई दिशा नहीं है। मैं हमेशा ध्यान में रखती हूं कि मैं क्या हासिल करना चाहती हूं, चाहे वह अगले 30 दिनों में हो, 30 महीनों में या फिर 30 सालों में। यही स्पष्टता मुझे आगे बढ़ने में मदद करती है। ईशा ने साल 2021 में टेलीविजन शो उड़ारियां से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उनके किरदार का नाम जैस्मीन रहता है।

अर्जुन कपूर को है सिनेमा के प्रति अद्भुत ज्ञान

वे फिल्ममेकर बनना चाहते थे

हम सभी जानते हैं कि हमें यदि किसी चीज़ के प्रति रूचि है तो हम उसके प्रति और जानकारी इकठ्ठा करने लगते हैं कुछ ऐसा ही हाल अर्जुन कपूर का, सिनेमा के प्रति उनकी रुचि ने उन्हें सिनेमा के और करीब कर दिया, सिनेमा के प्रति उनके नॉलेज ने सिनेमा प्रेमियों को चौका दिया है, और यही रिएक्शन इस समय इंटरनेट पर गूंज रहा है, जब लोगों ने एक ऐसे अर्जुन कपूर को देखा जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी एक सच्चा फिल्मी दीवाना, एक फिल्म नर्ड, जो पॉइंट ब्रैक और तेजाब का ज़िक्र एक ही सांस में कर सकता है, वो भी जुनून और पैनी समझदारी के साथ।

हाल ही में वायरल हो रही एक खुली बातचीत में अर्जुन कपूर ने वही किया जो वो बखूबी करते हैं फिल्मी बातों में दिल लगा दिया और पूरी तरह छा गए। ज़्यादातर लोगों को वो टू स्टेट्स, कॉमिक फिल्म मुबारकान, लेटेस्ट सिंघम के विलेन और अंडररेटेड रत्न *संदीप और पिंकी फरार जैसे रोल्स के लिए जानते हैं। लेकिन इस बार अर्जुन ने अपने अंदर के लेयर्स हटाए और उस फिल्ममेकर को सामने लाया जो हमेशा से उनके भीतर मौजूद था। पता चला कि अर्जुन का सपना कभी सिर्फ एक स्टार बनने का नहीं था, बल्कि वो फिल्में बनाना चाहते थे।

उन्होंने बताया कि जब उनके पिता रूप की रानी चोरो का राजा बना रहे थे, तब ही उनके भीतर ये चिंगारी जली। सिनेमा का जादू ही मुझे आकर्षित करता है, उन्होंने कहा। हर चीज़ में लॉजिक होना ज़रूरी नहीं यकीन ही उस भ्रम को बेचता है। मुझे कोरियन फिल्में और यूरोपियन सिनेमा बहुत पसंद है। मैं फिल्ममेकर बनना चाहता था। समय की सबसे महंगी फिल्म थी। मैं मंत्रमुग्ध था और फिल्मों की खुशी मेरे साथ रह गई। मैं हमेशा फिल्म के बनने की प्रक्रिया जानना चाहता हूं और उसी में मुझे असली खुशी मिलती है। अर्जुन फिलहाल द डे ऑफ़ द जैकल देख रहे हैं जिसमें एडी रेडमेन हैं। उन्होंने टॉप गन सीरीज़ पर भी अपनी राय दी। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कौनसी पसंद है, तो उन्होंने कहा, टोनी स्कॉट की फिल्म ओजी है। मुझे उनकी फिल्में बहुत पसंद हैं। फिर डेविड फिन्चर आए हमारे जीवन में, सेवन और फाइट क्लब जैसी फिल्मों के साथ। लेकिन जो बात सबसे ज़्यादा दिल को छू गई, वो थी उनका भारतीय क्रिएटर्स को दिया गया प्यार और सम्मान। आर बल्कि * और संजय लीला भंसाली से लेकर द फ़ैमिली मेन और पंचायत के मेकर्स तक, अर्जुन ने उस देसी सिनेमा को सराहा जो दिल से बनता है और अक्सर नज़रअंदाज़ हो जाता है। उन्होंने आजकल के ट्रेलर्स की भी आलोचना की जो बहुत कुछ पहले ही बता देते हैं.

साभार एजेंसी

आईपीएल 2025

मयंक यादव ने की लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि तेज गेंदबाज मयंक यादव टीम में वापसी कर चुके हैं। उम्मीद है कि वह शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेलते नजर आएंगे। एलएसजी ने मयंक की वापसी की जानकारी एक खास वीडियो के जरिए अपने सोशल मीडिया पर दी, और कैप्शन में लिखा - मयंक यादव लौट आए हैं। मयंक को पीठ में चोट लगी थी, जिसकी वजह से वह बाहर थे। इस सीजन की शुरुआत में उनकी वापसी लगभग तय थी, लेकिन अचानक पैर की उंगली में उन्हें फिर से चोट लग गई। इस चोट में इंफेक्शन हो गया और उनकी वापसी और टल गई। मयंक पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर टीम इंडिया में शामिल हुए थे। इसके बाद वह पूरे घरेलू सीजन से बाहर रहे और बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इलाज और ट्रेनिंग करते रहे। एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर पहले ही मयंक की वापसी को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने कहा था, मयंक अब दौड़ने और गेंदबाजी करने लगे हैं, जो कि भारतीय क्रिकेट और आईपीएल दोनों के लिए बहुत अच्छी बात है। मैंने एनसीए में उनकी गेंदबाजी का वीडियो देखा, जिसमें वह लगभग 90 से 95 प्रतिशत फिट नजर आ रहे थे। पिछले सीजन में मयंक ने अपनी तेज रफ्तार और विकेट लेने की क्षमता से सबको चौंका दिया था। वह लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज गेंद फेंक रहे थे। उन्होंने एलएसजी के लिए सिर्फ चार मैच खेले थे, लेकिन फिर भी उन्हें बड़े खिलाड़ियों के साथ रिटेन किया गया था। एलएसजी की गेंदबाजी इस सीजन की शुरुआत से ही कई चोटों की वजह से कमजोर रही है। मयंक, मोहसिन खान, आवेश खान और आकाशदीप सभी शुरू में चोटिल थे। ऐसे में टीम ने अनुभवी शार्दुल ठाकुर को शामिल किया, जो टीम के लिए फायदेमंद साबित हुए। बाद में आवेश और आकाश दीप भी टीम से जुड़ गए और उन्होंने क्रमश पांच और तीन मैच खेले। इन मुश्किल हालात के बावजूद एलएसजी ने अब तक सात में से चार मैच जीतकर अंक तालिका में पांचवां स्थान बना रखा है। उनका अगला मुकाबला शनिवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स से होगा।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में इस स्थान पर खेले जाएंगे क्रिकेट के मैच, आईसीसी ने कर दिया एलान

दुबई, एजेंसी। क्रिकेट प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। यह शहर ओलंपिक खेलों के मुख्य शहर लॉस एंजिल्स से 48 किलोमीटर दूर है। क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। इसी कड़ी में आईसीसी ने एक बड़ा एलान किया है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के दौरान जिस स्थान पर मुकाबले खेले जाएंगे, आईसीसी ने उसका एलान कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार देर रात को यह घोषणा की कि दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर ओलंपिक खेलों के दौरान क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

46 साल की उम्र में पिता बने जहीर खान, पत्नी सागरिका ने बेटे को दिया जन्म, साझा की पहली तस्वीर

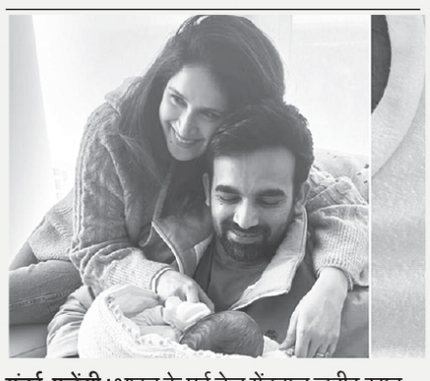

मुंबई, एजेंसी। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान और उनकी पत्नी सागरिका घटगे ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। दोनों ने बेटे का नाम फतेहसिंह खान रखा है। दंपति ने बुधवार को एक संयुक्त पोस्ट साझा किया और इसकी पुष्टि की। इस कपल ने जो तस्वीरें साझा की हैं उसमें जहीर खान को बेटे को गोद में उठाए हुए देखा जा सकता है, जबकि सागरिका जहीर के कंधों पर हाथ रखी हुई हैं। एक और फोटो में जहीर बेटे का हाथ थामे हुए देखे जा सकते हैं। ग्रे-स्केल तस्वीर को साझा करते हुए इस कपल ने लिखा, आपके प्यार, कृतज्ञता और ऊपर वाले के आशीर्वाद से हम अपने बेटे फतेहसिंह खान का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। इसके बाद यह पोस्ट बधाई संदेशों से भर गया। अंगद बेदी ने लिखा, वाहेगुरु। हरभजन सिंह ने लिखा, आप दोनों को बधाई। वाहेगुरु मेहर करे। प्रज्ञा कपूर ने लिखा, बधाई हो। वहीं, सारा तेंदुलकर ने लिखा, सबसे अच्छी खबर।

जानसेन ने जाल बिछाया, चहल ने चली चाल, खेल कर गए अर्शदीप...

ऐसे लिखी गई पंजाब की महाविजय की पटकथा

मुल्लांपुर, एजेंसी। महाराजा यादविन्द्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मौका था आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के मैच नंबर 31 का. आमने-सामने थीं पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स. क्या गजब का रोमांच देखने को मिला, गेंदबाज इस मुकाबले में पूरी तरह हावी रहे. इस मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और 111 रनों पर ऑलआउट हो गई. यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि पंजाब की टीम अपने कोटे के 20 ओवर्स भी नहीं खेल पाई और 15.3 ओवर्स में पवेलियन लौट गई. इस स्कोर के बाद लग रहा था कि कोलकाता की टीम इस मुकाबले को बेहद आसानी से जीत लेगी. लेकिन फिर जो कुछ इस मुकाबले में देखने को मिला, वह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया. क्योंकि पंजाब की टीम आईपीएल इतिहास में वो टीम बन गई, जिसने इतना कम स्कोर डिफेंड किया. अब आपको बताते हैं कि कैसे पंजाब की गेंदबाजी यूनिट कोलकाता नाइटराइडर्स पर टूट पड़ी.

जानसेन ने जाल बिछाया

इस मुकाबले में पंजाब के लंबे कद के साउथ अफ्रीकी गेंदबाज मार्को जानसेन ने अपनी टीम को सबसे सफलता दिलाई. जानसेन ने ओपनिंग ओवर किया और इसकी आखिरी गेंद पर सुनील नरेन (5) को चलता कर दिया. जो पंजाब किंग्स की मुकाबले में सबसे बड़ी सफलता रही. फिर टीम को दूसरी सफलता आईपीएल डेब्यू कर रहे जेवियर बैरेट ने दिलाई. बैरेट ने डिकॉक (2)को आउट किया. चहल के इस मारक स्पेल के बीच वेंकटेश अय्यर को ग्लेन मैक्सवेल ने 7 रनों पर आउट किया था. जो कोलकाता के लिए पांचवां झटका रहा. अय्यर के आउट होने पर कोलकाता की टीम का स्कोर 74/5 हो गया.

इसके बाद चहल का जादू एक बार फिर चला. चहल ने 12वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर क्रमशः रिंकू सिंह (2) को स्टम्प आउट करवाकर और रमनदीप (0) को कैच आउट करवाकर मैच पंजाब की ओर मोड़ दिया. रमनदीप तो पहली ही गेंद पर आउट हुए. रमनदीप के आउट होते ही कोलकाता का स्कोर 76/7 हो गया.

चहल के बाद जानसेन और अर्शदीप ने किया अंत में खेला

76 रन पर सात विकेट गंवाकर सारी उम्मीदें कोलकाता की टीम की आंद्रे रसेल और राणा पर आ टिकी थीं. लेकिन 13वां ओवर लेकर आए जानसेन ने हर्षित राणा को बोल्ड कर कोलकाता को आठवां झटका दिया. इस तरह कोलकाता की टीम बैठफुट पर आ गई. इससे ठीक अगले 14वें ओवर में आंद्रे रसेल ने चहल को कूटकर रख दिया. यह चहल का स्पेल का आखिरी ओवर था जहां, 16 रन आए. लेकिन फिर आया अर्शदीप का वो मैजिकल ओवर (15वां) जहां वैभव अरोड़ा आखिरी गेंद पर विकेटकीपर जोस इंग्लिश के हाथों कैच आउट हो गए. खास बात यह रही कि यह ओवर मेडन रहा. इसके बाद मार्को जानसेन ने 15वें ओवर की पहली ही गेंद पर रसेल को आउट कर कोलकाता के जबड़े से जीत छीन ली.

पंजाब के खिलाफ हार के लिए मैं जिम्मेदार: रहाणे

मुल्लांपुर, एजेंसी। रहाणे के आउट होते ही केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने आखिरी आठ विकेट 33 रन के अंदर गंवा दिए। रहाणे ने खराब बल्लेबाजी पर भी हार का ठीकरा फोड़ा। वहीं, पोंटिंग ने इसे अपनी कोचिंग में हासिल की अब तक सबसे बेहतरीन जीत बताया है।

आईपीएल 2025 में मंगलवार को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। इस लो स्कोरिंग मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए थे। जवाब में कोलकाता की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। केकेआर की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की जिम्मेदारी खुद पर ली है। वहीं, पंजाब के कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि इस मुकाबले से पहले युजवेंद्र चहल को फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। उन्हें चोट लगी थी, लेकिन इसके बावजूद वह खेले। चहल प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। पंजाब ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

कप्तान रहाणे ने ली हार की जिम्मेदारी: रहाणे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उनकी टीम ने बहुत खराब बल्लेबाजी की। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं, मैंने गलत शॉट खेला था। रहाणे युजवेंद्र चहल की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हुए, लेकिन मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ रिव्यू नहीं लेने का उनका फैसला महंगा साबित हुआ। रिप्ले में गेंद ऑफ स्टंप से बाहर निकलती दिख रही थी। रहाणे ने कहा कि वह पूरी तरह पक्का नहीं थे कि गेंद विकेट के बाहर निकलेगी। उन्होंने कहा, वह गेंद विकेट को मिस करती, लेकिन सब कुछ वहीं से शुरू हुआ। उस समय कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था।

आईपीएल 2025:

धनश्री से तलाक के बाद पहली बार प्लेयर ऑफ द मैच बने युजवेंद्र चहल

● तोड़ा लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड ● प्रीति जिंटा ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 31वें मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम 15.3 ओवर में 111 रन पर सिमट गई और इसके बाद ऐसा लगा कि केकेआर इस मैच को आसानी से जीत लेगी। हालांकि ऐसा नहीं हो पाया और 112 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अजिंक्य रहाणे की टीम 95 रन पर ऑलआउट हो गई और पंजाब को 16 रन से जीत मिली। पंजाब की इस जीत में श्रेयस अय्यर के गेंदबाजों का योगदान रहा जिन्होंने 111 रन के स्कोर को डिफेंड कर लिया। पंजाब के सभी गेंदबाजों ने इस मैच में विकेट लिया, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावी युजवेंद्र चहल रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिए बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए। चहल लंबे समय के बाद लय में नजर आए जिसके लिए वो जाने जाते हैं। वहीं धनश्री से तलाक के बाद वो पहली बार प्लेयर ऑफ द मैच बने। मैच खत्म होने की टीम की ऑनर प्रीति जिंटा ने उन्हें बधाई दी।

तलाक के बाद पहली बार चहल बने प्लेयर ऑफ द मैच

युजवेंद्र का तलाक धनश्री के साथ आईपीएल 2025 के ठीक पहले हुआ था। इसके बाद पंजाब के लिए इस सीजन में खेले पहले 5 मैचों में उनकी गेंदबाजी में वो धार नजर नहीं आई, लेकिन कोलकाता के खिलाफ चहल अपने पुराने अंदाज में चहकते दिखे जिसके लिए वो जाने जाते हैं और उनकी धारदार गेंदबाजी के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच बने।

युजवेंद्र चहल का प्रदर्शन

केकेआर के खिलाफ चहल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट लिए और उन्होंने इस दौरान कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह को अपना शिकार बनाया। चहल ने इन चार विकेट के दम पर केकेआर को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। चहल के अलावा पंजाब के लिए इस मैच में मार्को यानसेन ने 3 विकेट जबकि जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह और ग्लेन मैक्सवेल ने एक-एक विकेट लिए।

लसिथ मलिंगा से आगे निकले चहल

चहल ने केकेआर के खिलाफ 4 विकेट झटके और वो आईपीएल में सबसे ज्यादा 4 विकेट हॉल लेने वाले बॉलर बन गए। चहल ने लसिथ मलिंग को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने ये कमाल 7 बार किया था। चहल अब पहले नंबर पर सुनील नरेन के साथ आ गए जिन्होंने ऐसा इस लीग में 8 बार किया है।

गोल्फ सनसनी रॉरी मैकइलरॉय

माता-पिता के अथक प्रयास और समर्पण से बना विश्व विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी आयरलैंड के गोल्फ सनसनी रॉरी मैकइलरॉय ने 89वां मास्टर्स टूर्नामेंट जीतकर आखिरकार अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा कर लिया। उन्होंने प्लेऑफ में इंग्लैंड के जस्टिन रोज को हराकर ये शानदार जीत अपने नाम की। लेकिन इस सफलता के पीछे संघर्षों की कहानी जुड़ी है जिसमें मैकइलरॉय को सफल बनाने में उनके माता-पिता के अथक प्रयास और समर्पण शामिल है।

पिता सप्ताह में 100 घंटे काम करते थे, मां नाइट शिफ्ट करती थी: मैकइलरॉय के गोल्फिंग सपनों को पूरा करने के लिए उनके माता-पिता रोजी और गेरी ने कड़ी महनत की है। रोजी और गेरी सप्ताह में 100 घंटे काम करते थे ताकि बेटे को गोल्फर बना सकें। मैकइलरॉय के पिता स्थानीय खेल क्लब में शौचालय और स्नानागार साफ करने से लेकर हॉलीवुड गोल्फ क्लब में बारटेंडर के रूप में काम करते थे। उनकी मां रोजी दिन में बेटे की देखभाल के बाद रात में 3एम फैक्ट्री में काम करती थी।

गोल्फ में कैसे जागा इंट्रस्ट: 4 मई

1989 को उत्तरी आयरलैंड के काउंटी डाउन के हॉलीवुड में जन्में मैकइलरॉय का गोल्फ में रुझान उनके पिता गेरी की वजह से पैदा हुआ जो खुद भी एक गोल्फर थे। मैकइलरॉय 3 साल की उम्र में प्लास्टिक क्लब्स के लिए खेलते थे और वह 37 यार्ड ड्राइव के साथ पहली बार चर्चा में आए थे। इसके बाद मकलरॉय का रुझान गोल्फ में पैदा हुआ और उन्होंने इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने का सोचा और इस सपने को पूरा किया।

पेशेवर गोल्फर बनने के बाद माता-पिता के लिए खरीदा घर: मैकइलरॉय के पेशेवर गोल्फर बनने के बाद उन्होंने अपने माता-पिता के लिए 2009 में एक घर खरीदा और कहा, मेरे माता-पिता ने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसका मोल कभी नहीं चुका सकता, लेकिन कम से कम वे जानते हैं कि उन्हें कभी भी एक और दिन काम नहीं करना पड़ेगा। मैं उनकी देखभाल के लिए कुछ भी करूंगा।

मैकइलरॉय की उपलब्धियां : वह आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग में पूर्व विश्व नंबर एक हैं और अपने करियर के दौरान उस पद पर 100 से अधिक सप्ताह बिता चुके हैं।

वह पांच बार के प्रमुख चैंपियन हैं जिन्होंने 2011 यू.एस. ओपन, 2012 और 2014 पीजीए चैम्पियनशिप, 2014 ओपन चैम्पियनशिप और 2025 मास्टर्स टूर्नामेंट जीता है।

वह आधुनिक करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले छह पुरुष गोल्फरों में से एक और ऐसा करने वाले एकमात्र यूरोपीय हैं। वह 2007 में 17 साल की उम्र में वर्ल्ड एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे थे। उन्होंने 2009 में यूरोपीय दौरे पर और 2010 में पीजीए दौरे पर अपनी पहली जीत हासिल की।

सुनील नारायण और एनरिक नॉर्टजे का बल्ला जांच में नहीं हुआ पास

मुल्लांपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में सुनील नारायण और एनरिक नाटर्जे का बल्ला जांच में फेल रहा। आईपीएल के 31वें मुकाबले में मंगलवार को रिजर्व अंपायर सैय्यद खालिद ने कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी शुरु होने पर सलामी बल्लेबाज नारायण का बल्ला जांचा गया। जांच के दौरान बल्ले की चौड़ाई को एक गेज के बीच से गुजारा गया। उनका बल्ला सबसे मोटा हिस्सा गेज को पार करने में विफल रहा। इस दौरान खालिद ने नारायण के साथ खड़ा रघुवंशी का बल्ला भी गौर से देखा। रघुवंशी का बल्ला इस जांच में पास रहा। पहली पारी के दौरान तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लेने वाले नारायण ने अपनी पारी में चार गेंदों में पांच रन बनाए। वहीं रघुवंशी केकेआर की ओर से 28 गेंदों में 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। केकेआर की ओर से नॉटर्जे अंतिम बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे लेकिन वह जिस बल्ले के साथ मैदान में उतरे थे उसे वापिस भेज दिया गया क्योंकि टीवी कॉमेंटेटर्स के अनुसार अंपायर्स मोहित कृष्णदास और साईदर्शन कुमार की जांच में उनका बल्ला फेल हो गया। यह घटना 16वें ओवर में हुई, इसके बाद सब्सिट्यूट रहमानउल्लाह गुरबाज नॉटर्जे के लिए अतिरिक्त बल्ले लेकर आएं। हालांकि वह इस बल्ले से एक भी गेंद नहीं खेल पाये स्ट्राइक पर खड़े आंद्रे रसल अगली ही गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। उल्लेखनीय है कि नियमों के अनुसार किसी भी बल्ले की चौड़ाई 10.79 सेमी, मोटाई 6.7 सेमी, किनारे की चौड़ाई चार सेमी तथा लंबाई 96.4 सेमी से अधिक नहीं होनी चाहिए।

चैंपियंस लीग: एस्टन विला से हारने के बावजूद पीएसजी सेमीफाइनल में पहुंचा

बर्मिंघम, एजेंसी। अचरफ हकीमी और नूनो मेंडेस के शुरुआती गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला के खिलाफ कुल 5-4 के स्कोर से चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। हालांकि दूसरे चरण में पीएसजी को एस्टन विला से 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। पहले चरण में पेरिस में 3-1 से हारने के बाद एस्टन विला ने वापसी की पूरी कोशिश की और शुरुआत में ही चार मिनट के अंदर दो कॉर्नर हासिल किए। लेकिन खेल खुलने के कारण पीएसजी को तेजी से जवाब देने का मौका मिल गया और इसका पूरा फायदा उठाया। यूईएफए की रिपोर्ट के अनुसार, नूनो मेंडेस ने शानदार पास देकर ब्रैडली बारकोला को आगे बढ़ाया, जिनका क्रॉस गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने रोका, लेकिन गेंद वापस हकीमी के पास आ गई। हकीमी ने बिना गलती किए गेंद को गोल में डाल दिया। इसके बाद जियानलुइगी डोनारुम्मा ने पाउ टोरेस के स्ट्राइक को शानदार तरीके से रोका, फिर जब नूनो मेंडेस ने एक पोस्ट के माध्यम से एक और शानदार काउंटर अटैक पूरा किया, तो उन्होंने फिर से स्कोर किया। ब्रेक से 11 मिनट पहले, यूरी टाईलेमैंस का एक घूमता हुआ शॉट विलियम पाको के टच से गोल में चला गया। फिर कप्तान जॉन मैकगिन को एक डिफ्लेक्शन का फायदा मिला, जब उनका दूर से मारा गया शॉट डोनारुम्मा के ऊपर से गोल में चला गया।

कप्तान जॉन मैकगिन को एक डिफ्लेक्शन का फायदा मिला जब उनका दूर से मारा गया शॉट डोनारुम्मा के ऊपर से गोल में चला गया। उसके कुछ ही देर बाद, मार्कस रैशफोर्ड के पेनल्टी एरिया के किनारे से मारे गए शॉट के लिए भी डोनारुम्मा पूरे तरह से तैयार थे।

इटली के इस खिलाड़ी के लिए कुछ करना मुश्किल था जब रैशफोर्ड की शानदार चाल के बाद एजरी कोंसा ने विला के लिए तीसरा गोल दागा। इसके बाद टिएलमैन्स प्रीमियर लीग क्लब को कुल स्कोर में बराबरी पर ला सकते थे, लेकिन डोनारुम्मा ने एक शानदार बचाव करते हुए उनके जोरदार हेडर को रोक दिया। अंत के दस मिनटों में मार्को असेंसियो का शॉट भी डोनारूम्मा ने अपने पैरों से रोक लिया। आखिरी क्षणों में पाचो ने इयान मास्टन के गोल की तरफ जा रहे शॉट को रोककर टीम को बचा लिया।

आखिरकार लुईस एनरिक की टीम ने दबाव में धैर्य बनाए रखा और चैंपियंस लीग में विला के यादगार पहले प्रदर्शन को समाप्त कर दिया। मैच के बाद पीएसजी के कोच लुईस एनरिक ने कहा, मैं इस मैच को लंबे समय तक नहीं भूल पाऊंगा।

इस प्रतियोगिता में बहुत कुछ संभालना होता है और बाहर जाकर खेलना हमेशा मुश्किल होता है। हमने शुरुआत में ही दो गोल कर दिए, लेकिन फिर कुछ गलतियां की, जिनका खामियाजा भुगतना पड़ा। जब तीन मिनट में दो गोल खा जाते हैं, तो वापसी मुश्किल हो जाती है। लेकिन ऐसी परिस्थितियां हमें मजबूत बनाती हैं।

अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को भारतीय छात्र को निर्वासित करने से अस्थाई रूप से रोका

» न्यूयॉर्क (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को 21 वर्षीय भारतीय स्नातक को निर्वासित करने से अस्थाई रूप से रोक दिया है। एफ-1 छात्र वीजा के साथ विस्कॉन्सिन-मैडिसन यूनिवर्सिटी में 2021 से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल कर रहे कृष लाल इस्सरदासानी का छात्र वीजा रद्द कर दिया गया था। अदालती दस्तावेजों में कहा गया है कि इस्सरदासानी नियमित कक्षा में उपस्थित रहता था और उसकी अकादमिक स्थिति भी अच्छी थी। इस्सरदासानी अब अंतिम सेमेस्टर में हैं और 10 मई, 2025 को उसके स्नातक पाठ्यक्रम पूरा होने की संभावना है। यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट फॉर द वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ विस्कॉन्सिन में दायर दस्तावेजों में मंगलवार को कहा गया कि इस्सरदासानी ने स्वीकार किया है कि देर रात दोस्तों के साथ एक बार से घर लौटते समय अन्य समूह के साथ बहस के कारण उसे 22 नवंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। अदालत के दस्तावेजों में कहा गया है, इस्सरदासानी को खराब आचरण के लिए गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मामले की समीक्षा करने के बाद डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ने आरोपों को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया।

नतीजतन, इस्सरदासानी को अदालत में पेश नहीं होना पड़ा और उसका मानना था कि मामला पूरी तरह से सुलझ गया है तथा इसका कोई संभावित आव्रजन परिणाम नहीं होगा। साथ ही, इस घटना के अलावा इस्सरदासानी का कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ कोई अन्य संपर्क नहीं रहा है। हालांकि, चार अप्रैल, 2025 को विस्कॉन्सिन-मैडिसन यूनिवर्सिटी के अंतरराष्ट्रीय छात्र सेवा (आईएसएस) कार्यालय ने इस्सरदासानी को ईमेल द्वारा सूचित किया कि उसका स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर सिस्टम (सेविस) रिकॉर्ड समाप्त कर दिया गया है। गृह सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित यूएस स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम ने अपनी स्थिति को बनाए रखने में विफल रहने के कारण, आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में पहचाने गए व्यक्ति या जिसका वीजा रद्द कर दिया गया हो, के आधार पर, छात्र के सेविस रिकॉर्ड को समाप्त कर दिया। अदालत के दस्तावेजों में कहा गया है कि इस्सरदासानी को उसके वीजा के किसी भी निरस्तीकरण के बारे में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन, विश्वविद्यालय या विदेश विभाग से कोई संचार नहीं मिला। दस्तावेजों के अनुसार, छात्र को इस बारे में कोई चेतावनी नहीं दी गई, अपना पक्ष रखने या बचाव का कोई मौका नहीं दिया गया और सेविस में उसके एफ-1 छात्र वीजा रिकॉर्ड को समाप्त करने से पहले किसी भी संभावित गलतफहमी को ठीक करने का कोई मौका नहीं दिया गया। किसी अमेरिकी कॉलेज या विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्यक्रम या अंग्रेजी भाषा कार्यक्रम में भाग लेने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों को एफ-1 वीजा जारी किया जाता है।

ट्रंप के बातचीत वाले बयान के बाद चीन ने नए अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि की नियुक्ति की

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के साथ शुल्क को लेकर जारी विवाद के बीच नया शीर्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताकार बुधवार को नियुक्त किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद यह कदम उठाया गया जिसमें उन्होंने कहा था कि शुल्क गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौता करने की जिम्मेदारी अब चीन पर है। चीन को अब अमेरिका में आयात पर 245 प्रतिशत तक शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, ली चेंगगांग को वांग शॉवेन की जगह नियुक्त किया गया है। शॉवेन ने चीन और अमेरिका के बीच 2020 के व्यापार समझौते के लिए व्यापार वार्ता में चीन का प्रतिनिधित्व किया था। विश्लेषकों का कहना है कि ली की नियुक्ति को चीन पर शुल्क की भारी वृद्धि के बीच ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत शुरू करने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। ली विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चीन के राजदूत भी रह चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने मंगलवार को तथ्य पत्र में कहा कि चीन को अपनी जवाबी कार्रवाई के कारण अब अमेरिका में आयात पर 245 प्रतिशत तक शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। पहले उसको 145 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा था। तथ्य पत्र में कहा गया, 75 से अधिक देश पहले ही नए व्यापार समझौतों पर चर्चा करने के लिए सामने आ चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप जवाबी कार्रवाई करने वाले चीन के अलावा अन्य देशों पर अतिरिक्त शुल्क पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

जो अवैध अप्रवासी अमेरिका से स्वेच्छा से लौटना चाहते हैं उनकी टिकट की व्यवस्था हम करेंगे : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह देश में अवैध रूप से रह रहे उन अप्रवासियों को पैसे और विमान का टिकट देंगे जो स्वेच्छा से लौटने को इच्छुक हैं। ट्रंप ने मंगलवार को प्रसारित फॉक्स नोटिसियास को दिए साक्षात्कार में कहा कि उनका प्रशासन फिलहाल हत्यारों को देश से निकालने पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। लेकिन अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अन्य लोगों के लिए उन्होंने कहा कि वह स्वेच्छा से वापसी कार्यक्रम लागू करेंगे। उन्होंने योजना के बारे में कुछ जानकारी दी और कहा कि अमेरिका आप्रवासियों को विमान का किराया और कुछ पैसे देगा। ट्रंप ने कहा, हम उन्हें कुछ पैसे देंगे। हम उन्हें विमान का टिकट देंगे और अगर वे अच्छे हैं और वापस आना चाहते हैं तो हम उनके साथ काम करेंगे। हम उनके साथ मिलकर काम करेंगे ताकि उन्हें जल्द से जल्द वापस लाया जा सके।

चार छात्रों ने अपने छात्र आव्रजन दर्जे को अवैध रूप से समाप्त किया

एक भारतीय समेत चार छात्रों ने अमेरिका से संभावित निर्वासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया

» न्यूयॉर्क, भाषा।

मिशिगन के सरकारी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले एक भारतीय समेत चार छात्रों ने अपने छात्र आव्रजन दर्जे को अवैध रूप से समाप्त किए जाने के बाद अमेरिका से संभावित निर्वासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। भारत के चिन्मय देवरे, चीन के जियांगयुन बु और कियुई यांग और नेपाल के योगेश जोशी ने शुक्रवार को डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) और आव्रजन अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया। चारों छात्रों ने मुकदमा दायर करके आरोप लगाया है कि छात्र एवं विनिमय आगंतुक सूचना प्रणाली (एसईवीआईएस) में उनके छात्र आव्रजन दर्जे को पर्याप्त नोटिस और स्पष्टीकरण के बिना अवैध रूप से समाप्त कर दिया गया। एसईवीआईएस एक ऐसा आंकड़ा है जो अमेरिका में गैर-प्रवासी छात्रों और शैक्षणिक विनिमय के तहत आने वाले छात्रों (विनिमय आगंतुक) के बारे में जानकारी एकत्र करता है।

छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे मिशिगन के अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने उन छात्रों की ओर से एक संघीय मुकदमा दायर करके एक आपतकालीन निषेधाज्ञा जारी करने का अनुरोध किया है, जिनकी एफ-1 छात्र आव्रजन स्थिति को ट्रंप प्रशासन द्वारा बिना किसी वैध कारण और बिना किसी नोटिस के अवैध रूप से और अचानक समाप्त कर दिया गया था। एसीएलयू ने कहा कि मुकदमे में अदालत से इन छात्रों की स्थिति को बहाल करने के लिए कहा गया है ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें और हिरासत और निर्वासन के जोखिम का सामना करने से बच सकें। अदालत में की गई शिकायत में कहा गया है, उनमें से किसी पर भी अमेरिका में किसी भी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया है, न ही उन्हें दोषी ठहराया गया है। किसी ने भी किसी आव्रजन कानून का उल्लंघन नहीं किया है। न ही वे किसी राजनीतिक मुद्दे को लेकर परिसर में विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय रहे हैं। इस शिकायत में डीएचएस सचिव क्रिस्टी नोएम, कार्यकारी आईसीई निदेशक टॉड लियोन्स और आईसीई डेट्रॉयट फील्ड ऑफिस निदेशक रॉबर्ट लिंच का नाम शामिल है।इसी प्रकार के मुकदमे न्यू हैम्पशायर, इंडियाना और कैलिफोर्निया जैसे राज्यों समेत देशभर में दायर किए गए हैं।

ईरान के राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति मोहम्मद जवाद जरीफ का इस्तीफा स्वीकार किया

» दुबई, भाषा।

ईरान के राष्ट्रपति ने अपने उन उपराष्ट्रपति में से एक के इस्तीफे को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी है, जो दुनिया के ताकतवर देशों के साथ 2015 के परमाणु समझौते में तेहरान की ओर से प्रमुख वार्ताकार थे। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की मंगलवार देर रात मोहम्मद जवाद जरीफ के संबंध में घोषणा ऐसे समय में आई है, जब ईरान अपने तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ दूसरे दौर की वार्ता की तैयारी कर रहा है। इस बीच, बुधवार से शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी की यात्रा में इस बात को लेकर वार्ता शामिल हो सकती है कि किसी प्रस्तावित सौदे के तहत उनके निरीक्षकों को क्या पहुंच मिल सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि यदि कोई समझौता नहीं हुआ तो वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर हवाई हमले करेंगे।

ईरानी अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वे अपने यूरेनियम भंडार को समृद्ध करके परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। पेजेशकियन ने जरीफ के इस्तीफे को स्वीकार करते हुए उनकी प्रशंसा की।जरीफ ने पिछले साल चुनाव में पेजेशकियन के प्रमुख समर्थक के रूप में काम किया था। जरीफ ने मार्च में पेजेशकियन को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। राष्ट्रपति ने हालांकि इस पत्र का तुरंत जवाब नहीं दिया था। लेकिन मंगलवार देर शाम राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पेजेशकियन ने जरीफ को एक पत्र लिखा है जिसमें उनकी प्रशंसा की गई है, लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, पेजेशकियन ने इस बात पर जोर दिया कि कुछ मुद्दों के कारण उनका प्रशासन अब जरीफ के बहुमूल्य ज्ञान और विशेषज्ञता से लाभ नहीं उठा सकता है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका को वार्ता में विरोधाभासी रुख अपनाने के प्रति चेतावनी दी।

अब अमेरिका ने चीन पर 245 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा है कि चीन को अपनी जवाबी कार्रवाई के कारण अब अमेरिका में आयात पर 245 प्रतिशत तक शुल्क का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर मंगलवार को अलग से दी जानकारी में कहा कि चीन ने बड़े बोइंग सौदे के तहत विमानों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। ये उन खबरों की पुष्टि करता है जिसमें दावा किया गया था कि चीन ने अपनी विमान कंपनियों से अमेरिकी विमान विनिर्माता कंपनी बोइंग से विमानों की आपूर्ति न लेने का कहा है।ट्रंप ने इस खबर की जानकारी देते हुए चीन जैसे अपने विरोधियों के साथ व्यापार युद्ध में अमेरिका और उसके किसानों की रक्षा करने का संकल्प लिया। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को जारी तथ्य पत्र में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आयातित प्रसंस्कृत महत्वपूर्ण खनिजों तथा उनसे बने उत्पादों पर अमेरिकी निर्भरता से उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों की जांच शुरू करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया, राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले दिन ही अमेरिका की अर्थव्यवस्था को फिर से बेहतर बनाने के लिए अपनी अमेरिका फर्स्ट (अमेरिका पहले) व्यापार नीति की शुरुआत की। 75 से अधिक देश पहले ही नए व्यापार समझौतों पर चर्चा करने के लिए समाने आ चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप जवाबी कार्रवाई करने वाले चीन के अलावा अन्य देशों पर अतिरिक्त शुल्क पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। तथ्य पत्र में विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा गया, चीन को अपनी जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप अब अमेरिका को होने वाले आयात पर 245 प्रतिशत तक शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। चीन एकमात्र ऐसा देश है जिसने अमेरिका की शुल्क नीति के खिलाफ जाते हुए जवाबी शुल्क लगाया है। चीन ने शुक्रवार को अमेरिका से आयात पर अपने अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया था। ट्रंप प्रशासन के चीनी निर्यात पर लगाए गए 145 प्रतिशत शुल्क के जवाब में उसने यह कदम उठाया था।

न्यूज ब्रीफ

गाजा में अस्पताल के बाहर हुए इजराइली हवाई हमले में एक चिकित्सक की मौत, कई घायल

» दीर अल-बलाह, भाषा।

गाजा पट्टी में कुवैत निर्मित फील्ड अस्पताल के उत्तरी द्वार पर मंगलवार को इजराइली हवाई हमले में एक चिकित्सक की मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। मुवासी क्षेत्र में बने अस्पताल के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में सभी मरीज और चिकित्सक हैं। यह वह इलाका है जहां लाखों लोगों ने तम्बुओं से बने विशाल शिविरों में शरण ली हुई है। इजराइली सेना ने इस हमले के संबंध में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

इजराइल ने गाजा के साथ 18 महीने से जारी युद्ध के दौरान अस्पतालों पर बमबारी की है और उसका आरोप है कि हमास के चरमपंथी अस्पतालों का इस्तेमाल छिपने के लिए करते हैं या उनका इस्तेमाल सैन्य ठिकानों के रूप में करते हैं। हालांकि अस्पताल के कर्मचारियों ने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है और उन्होंने इजराइल पर नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डालने और गाजा के स्वास्थ्य तंत्र के तबाह करने का आरोप लगाया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इजराइल के साथ युद्ध में मारे गए गाजा के लोगों की संख्या 51,000 से अधिक हो गई है।

ऑस्ट्रेलियाई तट से दूर हिंद महासागर में भूकंप, सुनामी की कोई चेतावनी नहीं

मेलबर्न। दक्षिण-पश्चिम ऑस्ट्रेलियाई तट से दूर बुधवार को 6.6 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केन्द्र अल्बानी से 2,069 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में हिंद महासागर में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। संयुक्त ऑस्ट्रेलियाई सुनामी चेतावनी केन्द्र ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया या अंटार्कटिका के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

सिंगापुर में लाइफसेवर अवार्ड पाने वालों में कई भारतीय शामिल

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर नागरिक सुरक्षा बल (एससीडीएफ) के कम्युनिटी लाइफसेवर अवार्ड से सम्मानित किए जाने वालों में पिछले मंगलवार (आठ अप्रैल) को सिंगापुर के एक शॉपहाउस में लगी आग से 16 बच्चों और छह वयस्कों को बचाने वाले भारत के निर्माण श्रमिकों सहित 18 लोग शामिल हैं।आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का सात वर्षीय बेटा भी तीन मंजिला रिवर वैली रोड बिल्डिंग में लगी आग में घायल हुए लोगों में शामिल था। इस इमारत में न्यूटनशो कैंप द्वारा संचालित बच्चों का केंद्र है। एससीडीएफ अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले शॉपहाउस के आसपास मौजूद इन 18 लोगों ने छह से 10 वर्ष की आयु के बच्चों और 23 से 55 वर्ष की आयु के छह वयस्कों को बचा लिया और उनकी देखभाल की।

आग से बचाई गई 10 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई।फर्स्ट एससीडीएफ डिवीजन के कमांडर कर्नल ताई जी वेई ने कहा, आग लगने की घटनाओं में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए हम वास्तव में उन लोगों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उस दिन एससीडीएफ के आने से पहले ही लोगों की जान बचाई। चैनल न्यूज एशिया ने मंगलवार को कर्नल ताई के हवाले से कहा, आपने अब तक प्रसारित कई वीडियो में देखा होगा कि उनकी बहादुरी, उनकी त्वरित कार्रवाई और उनकी सामूहिक कार्रवाई ने वास्तव में उस दिन लोगों की जान बचाई। एससीडीएफ कम्युनिटी लाइफसेवर अवार्ड उन लोगों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने अपनी जान पर खेलकर लोगों की जान बचाने में योगदान दिया हो। बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में मदद करने वाले निजी-अनुबंध पर काम करने वाले चालक बेन्सन लो ने बताया कि बच्चे कांप रहे थे और कूदना चाहते थे। समुदाय के लोगों ने चिल्लाकर उन्हें रुकने के लिए कहा। निर्माण श्रमिक शकील मोहम्मद (35), साथी निर्माण श्रमिकों हसन इमामुल (20) और चिन्नाप्पा कन्नदासन (32) के साथ सीढ़ी के शीर्ष पर थे। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए मानव श्रृंखला बनाई। शकील ने बताया कि शुरू में उसने इमारत की तीसरी मंजिल पर जाने की कोशिश की, लेकिन दूसरी मंजिल पर लगी आग को पार नहीं कर पाया और अन्य लोगों से मदद मांगने के लिए बाहर चला गया। शकील ने बताया कि इमारत से निकलकर बचने का कोई रास्ता नहीं था और उसने एक बच्चे को कूदने की कोशिश करते देखा। शकील ने बताया कि उसने बच्चे से कहा, कूदना मत। मैं तुम्हारी मदद करूंगा। इमारत से बच्चों को जमीन पर उतारने में अपने साथियों की मदद करने वाले भारत से आए एक निर्माण श्रमिक रवि कुमार ने कहा कि वह अपनी छोटी बहन के बारे में सोच रहे थे, जो इन बच्चों के ही उम्र की है। यह सोचकर वह परेशान हो गए थे। कुमार ने कहा, मैंने लोगों की जान बचाई और आज भी मैं घटना के बारे में सोचकर परेशान हो जाता हूं। उन्होंने कहा कि आग में झुलसकर मरने वाली लडक़ी अब भी उनके दिमाग में है। 26 वर्षीय मजदूर ने कहा, यहां तक कि जब मैं काम कर रहा होता हूं या खाना खा रहा होता हूं, तब भी मैं उसके बारे में सोचता रहता हूं और बहुत दुखी होता हूं। न्यूटनशो के अंतर्गत आने वाले ब्रांडों में से एक टोमेटो कुकिंग स्कूल ने नौ अप्रैल को कहा था कि वह आग लगने की घटना की जांच में सहयोग कर रहा है। अधिकारी आग लगने की घटना की जांच कर रहे हैं। पुरस्कार के लिए एससीडीएफ द्वारा मान्यता प्राप्त 18 व्यक्तियों में चित्रप्पा कन्नड़ासन, हसन इमामुल, शकील मोहम्मद, तपोश, हसन राजीब, रवि कुमार, वरुवेल क्रिस्टोफर, गोविंदराज एलगेश्वरन, मुथुकुमार मुगेश, इंद्रजीत सिंह, शिवसामी विजयराज, नागराजन अन्बरासन, सुब्रमण्यम सरनराज, इस्लाम शफीकुल, सुब्रमण्यम रमेशकुमार, बेन्सन लो, शेख अमीरुद्दीन बिन कमालुद्दीन और डॉ. लौरा बिफिन शामिल हैं।

गाजा युद्ध के कारण मालदीव ने इजराइली पासपोर्ट धारकों पर प्रतिबंध लगाया

माले। मालदीव ने गाजा में युद्ध के कारण इजराइली पासपोर्ट धारकों को देश में प्रवेश से रोकने के लिए अपने आव्रजन कानून में बदलाव किया है। राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान के अनुसार, संशोधन को सोमवार को संसद द्वारा पारित किया गया और मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इसे मंजूरी दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह कानून दोहरी नागरिकता वाले उन लोगों पर लागू होगा या नहीं जिनके पास इजराइल और किसी अन्य देश का पासपोर्ट है। मंत्रिमंडल ने आव्रजन कानून में बदलाव का निर्णय लगभग एक वर्ष पहले लिया था, लेकिन सरकार ने इस सप्ताह इसे औपचारिक रूप दिया। बयान में कहा गया, यह बदलाव फलस्तीनी लोगों के खिलाफ इजराइल द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और नरसंहार कृत्यों के जवाब में सरकार के दृढ़ रुख को दर्शाता है। मालदीव मुख्य रूप से सुन्नी बहुल मुस्लिम राष्ट्र है जहां अन्य धर्मों का प्रचार प्रसार और पालन करना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। आव्रजन के उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इजराइली पासपोर्ट वाले 59 लोग मालदीव पहुंचे।

पाकिस्तान के पंजाब में पाकिस्तानी वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वायुसेना का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) का प्रशिक्षण विमान मिराज वी. आरओएसई मंगलवार को लाहौर से लगभग 350 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में वेहारी जिले के उपनगरीय क्षेत्र रत्ता टिब्बा के खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अधिकारी ने बताया, विमान ने वेहारी शहर के पास थिंगी हवाई अड्डे से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही देर बाद यह एक तेल डिपो के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

हालांकि, दुर्घटना में न तो कोई हताहत हुआ और न ही किसी इमारत को कोई नुकसान पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी, जिसके बाद मैदान में धुएं का गुबार छा गया और फिर बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे। डॉन समाचार पत्र की खबर में बताया गया है कि दोनों पायलटों को मामूली चोट आई और उन्हें सेना के हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। खबर में कहा गया है,पीएएफ विमान प्रशिक्षण उड़ान पर था, लेकिन कुछ तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

जो लोग वार्ता का विरोध करते हैं वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों पर प्रगति नहीं चाहते : हरीश

भारत ने नई सुरक्षा परिषद में धर्म, आस्था जैसे नए मानदंडों को आधार बनाने के प्रयासों की निंदा की

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

भारत ने नई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में धर्म और आस्था जैसे नए मानदंडों को प्रतिनिधित्व के आधार के रूप में शामिल करने के प्रयासों की आलोचना की और कहा है कि यह क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के स्वीकृत आधार के पूरी तरह विपरीत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने भविष्य की परिषद का आकार और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर क्लस्टर चर्चा पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) बैठक में कहा कि जो लोग नियम आधारित वार्ता का विरोध करते हैं वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों पर प्रगति नहीं चाहते हैं।

हरीश ने कहा, नई परिषद में प्रतिनिधित्व के लिए धर्म और आस्था जैसे नए मानदंडों को आधार बनाने का प्रयास क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के पूरी तरह विपरीत है, जो संयुक्त राष्ट्र में प्रतिनिधित्व के लिए स्वीकृत आधार रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे तर्क कि विस्तारित एवं नई सुरक्षा परिषद प्रभावी नहीं होगी, वास्तविक सुधारों को रोकने का प्रयास है। उन्होंने कहा, उचित कार्य पद्धतियों और जवाबदेही तंत्र युक्त नई परिषद अहम वैश्विक मुद्दों पर सार्थक ढंग से काम करने में सक्षम होगी। भारत ने जोर देकर कहा कि एक ऐसा मॉडल जिसमें स्थाई और अस्थाई दोनों श्रेणियों में विस्तार नहीं हो वह सुधार के उद्देश्य को हासिल नहीं कर सकेगा और इससे स्थिति यथावत रहेगी। इन टिप्पणियों से पहले हरीश ने जी-4 देशों ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की ओर से एक वक्तव्य दिया, जिसमें समूह ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व एक स्वीकृत चलन है, जो संयुक्त राष्ट्र में समय की कसौटी पर खरा उतरा है। जी4 ने कहा, वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र का जो स्वरूप है वह एक अन्य युग का है, वह अब मौजूद नहीं है और वर्तमान की भू-राजनीतिक परिस्थितियां इस स्वरूप की समीक्षा की मांग करती हैं। वर्तमान में सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्य हैं - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। शेष 10 सदस्यों को दो साल के कार्यकाल के लिए गैर-स्थाई सदस्यों के रूप में चुना जाता है।

सैनिक गाजा, लेबनान, सीरिया में अनिश्चितकाल तक बने रहेंगे : इजराइल के रक्षा मंत्री

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल के रक्षा मंत्री ने बुधवार को कहा कि सैनिक गाजा पट्टी में तथाकथित सुरक्षा क्षेत्रों, लेबनान और सीरिया में अनिश्चितकाल तक बने रहेंगे। इजराइल कैट्ज ने एक बयान में कहा, पूर्व की तरह (इजराइली सेना) उन क्षेत्रों से नहीं हटने जा रही है जिन्हें खाली करा दिया गया है और कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने कहा, सेना लेबनान और सीरिया की तरह गाजा में किसी भी अस्थाई या स्थाई स्थिति में दुश्मन और (इजराइली) समुदायों के बीच सुरक्षा प्रदान करने के लिए ढाल के रूप में सुरक्षा क्षेत्रों में बनी रहेगी।

पिछले महीने इजराइल द्वारा युद्ध विराम समाप्त करने के बाद हमास पर बंधकों को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के वास्ते इजराइली बलों ने हाल के हफ्तों में गाजा के बड़े क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। इजराइल ने पिछले साल हिज्बुल्ला समूह के साथ युद्ध विराम के बाद लेबनान के कुछ क्षेत्रों से हटने से भी इनकार कर दिया है और राष्ट्रपति बशर असद को उखाड़ फेंकने के बाद उसने दक्षिणी सीरिया में एक बफर जोन (संवेदनशील इलाकों को बाहरी दबावों से बचाने के लिए बनाया गया तटस्थ क्षेत्र) पर कब्जा कर लिया है। इजराइल का कहना है कि वह हमास के सात अक्टूबर, 2023 के हमले की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ऐसे क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखेगा। इस हमले में हजारों आतंकवादी गाजा से दक्षिणी इजराइल में घुस आए थे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,